दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

नगर संस्करण | इंदौर, सोमवार, 30 मार्च 2026 | वर्ष : 01, अंक : 114, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

बाहर के शेर घर मे ढेर

ट्रम्प के खिलाफ के 80 लाख लोगों का प्रदर्शन

इटली की राजधानी रोम में "नो किंग्स" विरोध प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कई बड़े नेताओं के पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मिलोनी और डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किए।

ग्रीस की राजधानी एथेंस में अमेरिकी दूतावास के बाहर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। यह अमेरिका में चल रहे "नो किंग्स" आंदोलन के समर्थन में था।

वॉशिंगटन ● एजेंसी

अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ट्रम्प के खिलाफ अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च यानी कल हुआ।

अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में प्रदर्शन के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी (ICE) के दफ्तर के बाहर अमेरिकी झंडा जला दिया।

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में "नो किंग्स" प्रदर्शन के दौरान लोगों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पुतले के जरिए अपना विरोध जताया।

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में "नो किंग्स" प्रदर्शन के दौरान एक महिला प्रदर्शनकारी लोगों से अपने ऊपर नकली खून डालने की अपील कर रही थी।

चलती कार में आग, डॉक्टर की पत्नी जिंदा जली...

इलाज कराने ले जा रहा था पति, भाई बोला- दीदी बेहोश थी या मार दी गई थी

सागर ● एजेंसी

मध्य प्रदेश के सागर जिले में शनिवार सुबह करीब 4 बजे गढ़ाकोटा रोड पर चलती कार में आग लग गई। हादसे में डॉक्टर की पत्नी जिंदा जल गई, जबकि डॉक्टर और 2 अन्य साथियों ने अपनी जान बचा ली। मामला सानौधा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान सीमा कुर्मी (38) के रूप में हुई है, जबकि उनके पति डॉ. नीलेश कुर्मी (42) गढ़ाकोटा के निवासी हैं। आग इतनी भीषण थी कि महिला का शव काफी हद तक जल चुका है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

परिजन को फोन पर बताया- सीमा को हार्ट अटैक आया- पुलिस के मुताबिक, डॉ. नीलेश अपनी पत्नी सीमा को इलाज के लिए सागर ले जा रहे थे। उन्होंने परिजन को फोन पर बताया था कि सीमा को हार्ट अटैक आया है और उन्हें राय अस्पताल ले जाया जा रहा है। उनके साथ क्लिनिक के दो कर्मचारी भी थे।

डॉक्टर के मुताबिक, जब कार गढ़ाकोटा रोड पर पहुंची, तभी कार के अगले हिस्से से आग लगनी शुरू हुई। सीमा कुर्मी पीछे की सीट पर बैठी थीं और बदहवास हालत में थीं। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। सीमा का शरीर बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

डॉक्टर बच निकले, लेकिन सवाल खड़े- घटना के दौरान कार के ड्राइवर साइड के दोनों दरवाजे अंदर से लॉक पाए गए, जबकि दूसरी ओर के दरवाजे खुले हुए थे। इन्हीं खुले दरवाजों से डॉ. नीलेश बाहर निकल पाए। उनके साथ क्लिनिक में काम करने वाले दो युवकों ने भी अपनी जान बचा ली।

एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि सानौधा थाने में डॉ. नीलेश कुर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामला संदिग्ध है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल तीन लोगों से पूछताछ जारी है।

शव की हालत ने क्यों बढ़ाया शक ?- कार में महिला का शव कंकाल जैसी अवस्था में मिला, जबकि बाकी लोग सुरक्षित हैं। शव की स्थिति को देखकर ही पुलिस को संदेह हो रहा है कि क्या आग से पहले ही कुछ और हो चुका था ?

जंग के बीच मोदी के मन की बात केरल में विरोधियों का ढोल बजाया

पलक्कड़ ● एजेंसी

कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए रविवार शाम 284 नामों की लिस्ट जारी की। राज्य में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। लोकसभा चुनाव हारे अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर से प्रत्याशी बनाया गया है। मालातीपुर से मौसम नूर को टिकट दिया गया है।

इधर, पीएम मोदी ने रविवार को केरल पहुंचे। उन्होंने यहां भाजपा के चुनाव प्रचार की शुरुआत की। पलक्कड़ में पहली रैली की। इसके बाद वे त्रिशूर पहुंचे थे। यहां उनकी रैली 34 मिनट की थी। पलक्कड़ में पीएम ने कहा- दशकों से केरल मतलबी पॉलिटिक्स के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक तरफ LDF, दूसरी तरफ UDF; एक तरफ कम्युनिस्ट, दूसरी कांग्रेस। एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल।

LDF और UDF की सारी पॉलिसी सिर्फ वोट-बैंक पॉलिटिक्स के लिए हैं। पीएम ने कहा कि इन भ्रष्टाचारी पार्टियों को बीजेपी से डर लगता है। अगर हम सत्ता में आ गए तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी।

मोदी बोले- जंग के चलते दुनिया में पेट्रोल-डीजल का संकट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं। साथियों, जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है। मैं सभी देशवासियों से अपील भी करूंगा कि वो जागरुक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं | सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

ऊर्जा संकट के बीच का बड़ा फैसला

पेट्रोल पंप पर मिलेगा केरोसिन

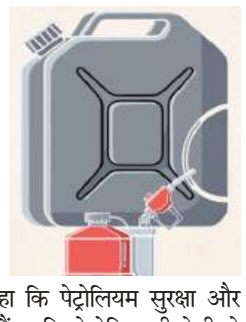

नई दिल्ली। होर्मुज संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण एलपीजी सप्लाई पर दबाव बढ़ने के बीच सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने केरोसिन यानी मिट्टी के तेल की सप्लाई तेज करने के लिए पेट्रोलियम नियमों में ढील दी है। इसका मकसद है कि लोगों को खाना बनाने और रोशनी के लिए परेशानी न हो और तुरंत वैकल्पिक ईंधन उपलब्ध कराया जा सके। सरकार ने कहा कि पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंस से जुड़े नियम आसान किए गए हैं, ताकि केरोसिन की तेजी से सप्लाई हो सके। 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसे लागू किया गया है। इसके तहत पेट्रोल पंपों को भी केरोसिन स्टोर और बेचने की अनुमति दी गई है। यह फैसला अस्थायी तौर पर 60 दिनों के लिए लागू रहेगा। सरकार ने इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के पंपों को केरोसिन बेचने की अनुमति दी है। हर चयनित पेट्रोल पंप पर 5,000 लीटर तक केरोसिन रखा जा सकेगा। हर जिले में दो पंपों को इसके लिए चुना जा सकता है।

नया फ्लैट बुक किया था,उसी दिन मारी गई इंफोसिस इंजीनियर, इंदौर में कार से कुचलने से जान गई

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया स्थित सागर समृद्धि अपार्टमेंट में हुई घटना ने एक हंसते-खेलते परिवार को पल भर में उजाड़ दिया। इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू वे मासूम बच्चे हैं, जिन्हें दो दिन तक यह तक नहीं बताया गया कि उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं रही।

पति सौरभ पांडे ने बताया कि घटना के बाद जब बड़े बेटे का खाना खाने के लिए फोन आया तो उन्होंने कहा "मम्मा की तबीयत ठीक नहीं है, दो दिन में आ जाएंगी।" इस पर बेटे ने मासूमियत से जवाब दिया "मम्मा आ जाएंगी तब ही खाना खाऊंगा।" दो दिन बाद जब मां की बॉडी घर पहुंची, तब बच्चों को सच्चाई बताई गई। यह सुनते ही दोनों बच्चे बिलख पड़े। छोटा बेटा अब भी समझ नहीं पा रहा है कि उसकी मां हमेशा के लिए उसे छोड़कर चली गई है।

मुख्यमंत्री ने 1356 करोड़ का चौथा चरण शुरू किया

नर्मदे हर... इंदौर में 2029 से 24 घंटे सप्लाय, 100% आबादी को देंगे पानी

सनातन वीर ● इंदौर

नर्मदा के चौथे चरण के रूप में इंदौर को रविवार को बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 1356 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। नर्मदा के चौथे चरण से 2029 तक 900 एमएलडी पानी लाने का लक्ष्य है। इससे अगले 25 साल में अनुमानित 65 लाख आबादी को पानी की आपूर्ति हो सकेगी। अभी इंदौर को तीन चरणों से 450 एमएलडी पानी मिल रहा है। इसके साथ ही इंदौर 24 घंटे पानी सप्लाई वाला शहर भी बन जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही सिरपुर तालाब (रामसर साइट) में 62.72 करोड़ रुपए की लागत से बने एसटीपी प्लांट का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत हितलाभ वितरण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान के तहत इंदौर जिले

में 1 लाख 44 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के हाथों इंदौर में नर्मदा के पहले चरण का लोकार्पण हुआ था। इससे इंदौर को नई रफ्तार मिली। उन्होंने कहा कि चौथा चरण पूरा होने पर वर्ष 2029 तक 900 एमएलडी पानी उपलब्ध होगा। शहर में वर्ष 2045 तक की जल जरूरतों को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है।

कुर्सी नहीं मिलने से बीजेपी-नेता ने सीएम का कार्यक्रम छोड़ा

इंदौर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का सीएम ने शुभारंभ किया; मन की बात भी सुनी

इंदौर ● संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर दौरे पर हैं। इंदौर पहुंचते ही उन्होंने एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का शुभारंभ किया। इसके बाद वे 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां कई जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

इधर, सीएम 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन को नर्मदा को कार्यक्रम में मंच पर बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिली, तो वे कार्यक्रम छोड़कर निकल गए। जानकारी के अनुसार, एमआईसी सदस्य बबलू शर्मा से बैठने को लेकर हुई बातचीत के दौरान उनकी कही बात से नाराज होकर सत्तन वहां से चले गए। वहीं, बबलू शर्मा ने बताया कि सत्तन जी की कुर्सी आगे ही थी, लेकिन उस पर नाम की पर्ची नहीं लगी थी।

मां नर्मदा के आशीर्वाद से बन रहा नया प्लान

कार्यक्रम के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मां नर्मदा ने आशीर्वाद देकर हमारी सरकार के माध्यम से नगर निगम स्थानीय स्तर पर आने 25 साल के लिए अलग पहचान बनाई है। नर्मदा जी के आशीर्वाद से हमारा मेट्रोपॉलिटन सिटी का ये नया प्लान बन रहा है। वर्तमान में जो आबादी है 25 साल बाद संभवतः 65 लाख होगी, और मेट्रोपॉलिटन की 6 जिलों को मिलाकर के डेढ़ करोड़ से ऊपर होगी। नर्मदा जी के चौथे चरण के बाद पानी की कोई समस्या नहीं आएगी। यह क्षेत्र के लिए आर्थिक रूप से समृद्धि का रिकॉर्ड बनेगा। इंदौर जो करता है सबसे अलग करता है सबसे अच्छा करता है। मुख्यमंत्री शहर को पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण सहित कई विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात दी। सीएम ने पेयजल परियोजना के चौथे चरण का भूमि पूजन भी किया, जिससे शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री की पहल पर संचालित 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत अब तक 1 लाख 44 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभ मिल चुका है। दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा विकासात्मक गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जा रहा है। सीएम ने महावीर जयंती के अवसर पर आयोजित महावीर अलंकरण समारोह में भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि महावीर जयंती केवल एक दिन नही बल्कि हर दिन मानना चाहिए। जैन सिद्धांत दुनिया मे अत्यंत अलौकिक सिद्धांत है। पौधों में प्राण है, यह सिद्ध करना जीवन का बड़ा दर्शन है। क्योंकि पौधे से भी हमें जीवनदायिनी वायु मिलती है। ज्ञानेन्द्रियाँ और कर्मेन्द्रियां जीवन के अनमोल तत्वों से वास्तविक परिचय का आधार है। इस मौलिक सिद्धांत का अनुसरण हर इंसान को करना सिखाता है। इधर, इंदौर के निपानिया स्थित एक टाउनशिप में रहने वाली इंजीनियर महिला शंपा पाठक को पिता-पुत्र ने कार से कुचल दिया था। इस हादसे में शंपा की मौत हो गई। इस मामले में उनके परिजन हाथ में तख्तियां लेकर मुख्यमंत्री से मिलने संगीत कला अकादमी पहुंचे, लेकिन टीआई तारेश सोनी ने उन्हें वहां से हटा दिया।

अमृत 2.0 के तहत जल आपूर्ति योजनाओं का भूमिपूजन

सीएम डॉ.मोहन यादव अमृत 2.0 योजना के तहत विभिन्न जल आपूर्ति योजनाओं का भूमि पूजन भी किया। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत नगर पालिक निगम, इंदौर द्वारा जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़, आधुनिक एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरुप विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। यह केवल आधारभूत संरचना का विकास नहीं है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य, सुविधा और बेहतर जीवन स्तर से जुड़ा एक व्यापक प्रयास है, जिसमें इंदौर शहर की भविष्य की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त 400 एमएलडी जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। शहर की पानी की सप्लाई की व्यवस्था नर्मदा नदी पर आधारित है, जिसमें लगभग 70 कि.मी. दूर से पंपिंग कर शहर को पानी सप्लाई किया जाता है। नर्मदा पर आधारित जल प्रदाय योजना का पहला चरण वर्ष 1978 तथा दूसरा वर्ष 1992 में क्रियान्वयन किया गया, जिसमें 90-90 एमएलडी चरणबद्ध रुप से कुल 180 एमएलडी इंदौर शहर को पानी सप्लाई किया गया।

आईटी पार्क में किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में सिहांसा आईटी पार्क में लॉचपेड एन एनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर का लोकार्पण किया। इसके पश्चात उन्होंने स्टार्टअप करने वाले युवाओ के साथ संवाद किया। साथ इस सेंटर की उपयोगिता जानी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में चल रही बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2026 को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शरीर की साधन का अद्भुत खेल है बॉडी बिल्डिंग।

12 जनवरी से जारी है अभियान

शासन के सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों तथा तहसील व जिला स्तर पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया है। अभियान के तहत व्यापक स्तर पर शिविर लगाए गए। यह अभियान 4 चरणों में चलाया गया। इसमें विभिन्न विभागों की 106 सेवाओं को शामिल किया। पहले चरण में ग्राम पंचायत, नगर परिषद, एवं नगर पालिक निगम क्षेत्र में 539 कैंपों का आयोजन कर संकल्प से समाधान अभियान के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आवेदन लेने का काम किया गया। इसके बाद ब्लाक एवं क्लस्टर लेवल पर 106 शिविर लगाकर आवेदनों के निराकरण की कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत इंदौर जिले में 1 लाख 44 हजार 912 आवेदन मिले और इन सभी आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया है। इस अभियान के तहत निःशुल्क उपचार एवं गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान के लिए विभिन्न स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए। अभियान के तहत इंदौर के प्रमुख बॉम्बे अस्पताल, अरविंदो अस्पताल, चोईथराम हॉस्पिटल, इण्डेक्स हॉस्पिटल और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शिविरों को आयोजन किया गया।

20 एमएलडी एसटीपी, सिरपुर तालाब-इंदौर का लोकार्पण

सिरपुर तालाब के संरक्षण एवं पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल का लोकार्पण किया गया। विगत वर्षों में आसपास की कॉलोनियों से निकलने वाला अशोधित सीवेज तालाब में पहुंचकर उसे प्रदूषित कर रहा था, जिसे रोकने के लिए 10 प्रमुख सीवर आउटफॉल को ट्रैपकर 20 एमएलडी क्षमता का आधुनिक एसटीपी स्थापित किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 8.5 किमी सीवर लाईन एवं 5 किमी ट्रीटेड वाटर रीयूज लाईन का निर्माण किया गया है, साथ ही जल वितरण के लिए 0.5 एमएल क्षमता का ओवरहेड टैंक (OHT) भी स्थापित किया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से अब तालाब को सीवर मुक्त बनाते हुए जल की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जाएगा तथा उपचारित जल का उपयोग शहर के लगभग 25 प्रमुख उद्यानों सहित हरित क्षेत्रों, अग्निशमन एवं अन्य कामों में किया जाएगा।

बाबा नर्मदेश्वर महादेव का चिड़ार समाज के गोलू गौर और उनके पुत्र युवराज गौर ने किया रामनवमी पर राम स्वरूप विशेष श्रृंगार

इंदौर ● संवाददाता

राम नवमी के उपलक्ष्य में श्री चिड़ार समाज के पुस्तैनी प्राचीन मंदिर में बाबा नर्मदेश्वर महादेव का हुआ आकर्षक भव्य श्रृंगार, बाबा नर्मदेश्वर महादेव के दर्शन करने सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ दिन भर रही 65 शिव मन्दिर मुसाखेड़ी इन्दौर के स्थानीय रहवासी गोलू गौर और उनके पुत्र युवराज गौर ने बाबा नर्मदेश्वर महादेव का राम स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया लोग इस श्रृंगार को देख कर जय श्री राम और बाबा नर्मदेश्वर महादेव के जयकारे लगाने लगे भव्य महाआरती एवं पूजा अर्चना चिड़ार समाज के लोगो ने की साथ में रहवासियों का सुबह से जमावड़ा लगा रहा प्राचीन मंदिर होने के कारण लोग दूर दूर से दर्शन करने आते रहे महिलाओं ने राम स्वरूम बाबा नर्मदेश्वर महादेव की नजर उतारी एवं चिड़ार समाज के लोगो का मंगल हो ऐसी कामना की।

माँ जगदम्बा मन्दिर समिति ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किया मूसाखेड़ी में मातारानी का भंडारा

इंदौर ● संवाददाता

माँ जगदम्बा मन्दिर समिति के संस्थापक स्वर्गीय जगदीश थनवार की टीम ने मुसाखेड़ी बिजली विभाग डेली कॉलेज जोन के सामने माँ जगदम्बा का मन्दिर है नवरात्रि में लोगों का जमावड़ा यहां लगा रहता है मुसाखेड़ी के रहवासी यहां प्रति दिन पूजा अर्चना करते रहते है नवरात्रि के नौ दिन माता महारानी का विशेष श्रृंगार हर दिन होता है माता बहने माता रानी की पूजा अर्चना कर अपने परिवार की मंगल कामना करती है प्रति वर्ष नवरात्रि समाप्त होने के अगले दिन यहां थनवार परिवार द्वारा मां जगदंबा का भंडारा किया जाता है एवं भव्य भजन संध्या की जाती है माता रानी के भजनों पर लोग खूब झूमे नाचे पूरा वातावरण भक्ति मय हो उठा लोग साचें दरबार की जय के जयकारे लगाने लगे भंडारे में माता का प्रसाद लेने लोग दूर दराज से मुसाखेड़ी आते है भोजन प्रसादी की व्यवस्था मन्दिर समिति के सदस्य कई वर्षों से करते आ रहे है साफ सफाई का विशेष ध्यान भंडारे में रखा जाता है लोगों की सफाई को लेकर जागरूकता देखने को मिली भोजन प्रसादी ग्रहण करने के पश्चात लोगों ने स्वेच्छा से दोने पत्तल डस्टबिन में डाले और स्वच्छता बनाए रखी।

कार और जय भवानी बस की भिड़ंत

इंदौर ● नितिन चंदेल

पिपलियाहना वर्ल्ड कप चौराहा के हाईवे बिल्डिंग के सामने एवं पिपलियाहना ब्रिज के नीचे कार (MP09DV4599) और देवास से इन्दौर आ रही जय भवानी बस (MP70ZC7882) की भिड़ंत हो गई कार का बस के साथ टकराव इतना भयानक था जैसे ही कार बस से टकराई कार के तुरन्त एयर बैग खुल गए जिससे कार में बैठे शख़्स की जान बच गई बस को तो ज्यादा नुकसान नहीं हुआ लेकिन कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई जैसे ही कार और बस आपस में टकराए वहां स्थानीय लोगों का जमावड़ा लग गया और लोग कार सवार व्यक्ति की मदद करने लगे कोई पानी ला रहा था तो कोई बोल रहा था घबराओ मत सब ठीक है गनीमत है कि कोई जनहानि नहीं हुए नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था आए दिन इन्दौर में हादसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है आए दिन एक्सीडेंट होते रहते है लोगो को गाड़ी चलाते टाइम ध्यान केंद्रित करके गाड़ी चलाना चाहिए एवं सुरक्षा बरतनी चाहिए।

राजा रघुवंशी हत्याकांड के बाद परिवार में जन्मा बेटा : मां बोलीं- हमारा राजा वापस लौट आया, ग्यारस पर गया था, ग्यारस पर ही आया

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का मामला देशभर में चर्चित रहा। अब उसी परिवार में एक ऐसी खुशी लौटी है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। घर में गूंजी एक किलकारी ने कुछ देर के लिए गम को पीछे छोड़ दिया। परिवार के लोग भावुक होकर कह रहे हैं- हमारा राजा वापस लौट आया।

रविवार को रघुवंशी परिवार में एक बेटे का जन्म हुआ है, जिससे घर में फिर से रौनक लौट आई। नवजात को परिवार के सदस्य "राजा" नाम से ही पुकार रहे हैं। यह खुशखबरी राजा रघुवंशी के बड़े भाई सचिन रघुवंशी के घर आई है। पिछले 8-9 महीनों से बेटे की हत्या के दुख में डूबा परिवार अब इस नई खुशी से मुस्कुराता नजर आया।

भाई और मां बोले- हमारा राजा लौट आया

राजा रघुवंशी के भाई विपिन रघुवंशी ने बताया कि हत्या के बाद जब तेहरवी

हुई थी, तब कामाख्या मंदिर के पुजारी ने कहा था कि भाइयों में से किसी के घर राजा दोबारा जन्म लेगा। उनका कहना था कि राजा की मृत्यु स्वाभाविक नहीं, बल्कि हत्या हुई है, इसलिए वह किसी न किसी रूप में वापस आ सकता है। विपिन ने बताया कि परिवार में कुल नौ भाई हैं, लेकिन यह सुख उनके भाई सचिन के घर ही आया। वे मानते हैं कि पुजारी की बात सच साबित हुई है। उन्होंने कहा कि उनकी भाभी पहले भी राजा का बहुत ख्याल रखती थीं और उसे अपने बेटे की तरह मानती थीं। अब वही भाभी उसके बेटे के रूप में 'राजा' को जन्म देकर उसे फिर से परिवार के बीच ले आई हैं।

ग्यारस के दिन हुआ जन्म, परिवार ने बताया खास संयोग

विपिन ने बताया कि जिस दिन उनके भाई राजा रघुवंशी की हत्या हुई थी, उस दिन भी ग्यारस थी और आज भी ग्यारस का ही दिन है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, राजा की मृत्यु दोपहर 2:40 बजे हुई थी, जबकि आज जन्मा बच्चा भी दोपहर 2:42 बजे पैदा हुआ। लगभग एक ही समय होने को परिवार एक विशेष संयोग मान रहा है। उनका कहना है कि जिस समय राजा उनसे बिछड़ा था, लगभग उसी समय वह फिर से उनके बीच लौट आया है। विपिन ने आगे बताया कि परिवार ने नवजात का नाम भी 'राजा' ही रखा है। उन्होंने कहा कि उनकी भाभी पहले राजा का बहुत ख्याल रखती थीं और उसे अपने बच्चे की तरह मानती थीं। इसी वजह से बच्चे का नाम बिना कुंडली के ही 'राजा' रखा गया है, जैसे पहले उनके भाई का रखा गया था।

परिवार में लौटी खुशियां, मां बोलीं- मेरा बेटा वापस आ गया

राजा की मां उमा रघुवंशी ने कहा कि उनके परिवार में फिर से खुशियां लौट आई हैं। उन्होंने बताया कि जिस दिन राजा उन्हें छोड़कर गया था, वह ग्यारस का दिन और दोपहर का समय था। आज भी ग्यारस है और दोपहर में ही यह बच्चा जन्मा है, जिसे वे अपने बेटे की वापसी मान रही हैं। उन्होंने इसे भोलेनाथ की कृपा बताते हुए कहा कि जो कुछ हुआ, वह भगवान की मर्जी से हुआ है। उनके शब्दों में, "मेरा बेटा फिर से हमारे बीच लौट आया है। उमा रघुवंशी ने बताया कि हमने बच्चे का नाम भी 'राजा' ही रखा है। जब उसे 'राजा' कहकर पुकारते हैं, तो वह ऐसे देखता है जैसे पहले से पहचानता हो। लंबे समय बाद परिवार में खुशियां लौटी हैं। राजा की हत्या के बाद से सभी गम में डूबे थे, लेकिन अब इस जन्म ने घर का माहौल बदल दिया है और हर ओर खुशी नजर आ रही है।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई की मांग

परिवार ने कोर्ट से अपील की है कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाए, ताकि जल्द न्याय मिल सके। उनका कहना है कि इससे सोनम और अन्य आरोपियों को जल्दी सजा मिल पाएगी।

पूर्व साथी ने किन्नर पर किया चाकू से हमला

रुपए न देने पर किया वार, कार सवारों ने पुलिस की वर्दी पकड़कर की मारपीट

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के राजेंद्र नगर में रहने वाले किन्नर पर उसके पूर्व साथी ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी को रुपए की जरूरत थी। इसके लिए उसने किन्नर से रुपए उधार मांगे थे। नहीं देने पर चाकू मारकर फरार हो गया। पुलिस मामले में आरोपी की तलाश कर रही है।

राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक, अमन उर्फ अलीशा कुंवर निवासी बुद्ध नगर की शिकायत पर पुलिस ने आकाश उर्फ विकास निवासी अहीरखेड़ी के खिलाफ चाकूबाजी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। अलीशा ने बताया कि शनिवार को वह माता विसर्जन कर रात करीब 9 बजे अपने घर जा रही थी। तभी आकाश आया और कहने लगा कि उसे रुपए की जरूरत है। इस पर अलीशा ने इनकार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने अपशब्द कहे और बाल पकड़कर उसे नीचे गिरा दिया। वहीं, चाकू से पैर के पीछे और हाथ पर वार कर दिया। अलीशा ने बताया कि इस दौरान उसकी मौसी ने बीच-बचाव किया, लेकिन आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। अलीशा के मुताबिक, तीन साल पहले वह आकाश के साथ रहती थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कनाड़िया थाना क्षेत्र में देर रात वाहन चेकिंग के दौरान नशे में धुत कार सवारों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस के मुताबिक, के-टू ढाबा बिचोली मर्दाना चेकिंग प्वाइंट पर ड्यूटी के दौरान पुनीत चौबे (40) वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान कार नंबर MP09WM2288 को रोका गया। कार सवार यशवर्धन खंडेलवाल अपने साथी करण के साथ कार में था। नशे में होने के चलते पुलिसकर्मी ने जब ब्रीथ एनालाइजर से जांच करवाई, तो यशवर्धन के शरीर में एल्कोहल की मात्रा 265.9 mg/100ml पाई गई, जो तय सीमा से कई गुना ज्यादा थी। इसके बाद पुलिस ने यश को वाहन से उतरने और जानकारी देने के लिए कहा। इस पर दोनों आरोपी भड़क गए और विवाद कर पुलिसकर्मी की वर्दी पकड़कर झूमाझटकी की और हाथ-थप्पड़ों से मारपीट कर दी।

ट्रेवल्स संचालक ने की आत्महत्या, पत्नी ने घर लौटकर फंदे पर देखा शव, डेढ़ साल पहले की थी लव मैरिज

इंदौर। इंदौर के हीरानगर इलाके में एक ट्रेवल्स संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि देर रात जब उसकी पत्नी नौकरी से घर लौटी, तो उसने पति को फंदे पर लटका हुआ पाया। इसके बाद उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। फिलहाल घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

2024 में की थी लव मैरिज

हीरानगर पुलिस के मुताबिक शारदा नगर में रहने वाले कृष्णकांत पुत्र रविशंकर अनजाने निवासी हीरनगर ने अपने घर में सुसाइड कर लिया। कृष्णकांत ट्रेवल्स का काम करता था। शनिवार को अपने घर पर अकेला था। रात में पत्नी भारती जब घर आई तो उसने पति को फंदे पर देखा। परिवार के लोगों ने बताया कि कृष्णकांत मूल रुप से हरदा का रहने वाला था। माता-पिता वहीं रहते हैं। परिवार में एक बडा भाई है जो आईटी कंपनी में जॉब करता है। कृष्णकांत की सितंबर 2024 में शादी हुई थी। उसने भारती से लव मैरिज की थी। मृतक की पत्नी भी एक बेकरी शॉप पर पलासिया इलाके में जॉब करती है। परिवार के मुताबिक मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं कर्ज या किसी से विवाद की बात भी सामने नहीं आई है। फिलहाल मामला जांच में है।

इंदौर में हत्यारे पिता-पुत्र को बिल्डिंग लेकर पहुंची पुलिस

रहवासियों का फूटा गुस्सा, 'जूते मारो' के नारे लगाए; वापस कोर्ट ले गई टीम

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के लसूडिया क्षेत्र स्थित शिव वाटिका में बुधवार रात तेज रफ्तार कार से कुचले जाने से आईटी कंपनी की इंजीनियर शंपा पाठक की मौत हो गई थी। आरोपी पिता-पुत्र ने कार से उन्हें कुचल दिया था, वहीं चौकीदार रेणुका को भी टक्कर मारने की कोशिश की गई थी। इस गंभीर मामले में लसूडिया पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और दो दिन का रिमांड लिया।

रविवार को कोर्ट में पेशी से पहले पुलिस दोनों आरोपियों को बिल्डिंग में लेकर पहुंची, जहां चौकीदार और अन्य लोगों से उनकी शिनाख्त कराई गई। कुछ देर रुकने के बाद पुलिस उन्हें वापस कोर्ट के लिए ले गई। इस दौरान बिल्डिंग के रहवासी आरोपियों को देखकर काफी गुस्से में नजर आए। लसूडिया थाना प्रभारी टीआई तारेश सोनी रविवार को आरोपी मोहनीश उर्फ मोहित चौधरी और उसके पिता कुलदीप को लेकर शिव वाटिका बिल्डिंग पहुंचे। यहां पुलिस ने उनसे कार पार्किंग की जगह को लेकर पूछताछ की। इस दौरान आरोपियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में बिल्डिंग के रहवासी मौके पर जमा हो गए। रहवासियों का गुस्सा बढ़ता देख पुलिस दोनों आरोपियों को वापस ले जाने लगी। गेट के बाहर भी उन्हें कुछ देर रोका गया, जहां मौजूद लोगों ने नाराजगी जताते हुए उन पर जूते मारने तक की बात कही। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस तुरंत दोनों को वहां से लेकर रवाना हो गई। इसके बाद पुलिस दोनों आरोपियों को कोर्ट लेकर पहुंची। टीआई के अनुसार, दोनों का रिमांड रविवार को समाप्त हो रहा है, इसलिए उन्हें कोर्ट में पेश किया जा रहा है। मामले में पुलिस की मुख्य जांच प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि आगे बिल्डिंग के कुछ लोगों के बयान लिए जाना बाकी है।

शॉट न्यूज

दतिया में पैरोल से फरार इनामी बाप-बेटे गिरफ्तार

दतिया। पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार चल रहे दो उम्रकैदियों को कोतवाली पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों पर 20-20 हजार रुपए का इनाम घोषित था और पुलिस लंबे समय से उनकी तलाश कर रही थी। पकड़े गए आरोपियों में सकूर खान (निवासी बासन का पुरा) और उसका बेटा फईम खान (निवासी सदर) शामिल हैं। दोनों को कोर्ट द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। दोनों आरोपी पैरोल पर जेल से बाहर आए थे, लेकिन तय समय पर वापस जेल नहीं लौटे। इसके बाद उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए और पुलिस ने इनाम घोषित किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों आरोपी इलाके में ही छिपे हुए हैं। सूचना के आधार पर कोतवाली और बसई थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

भिंड में थ्रेसर से कटकर किसान की मौत

भिंड। जिले के मिहोना थाना क्षेत्र अंतर्गत ररी गांव में रविवार को सरसों की थ्रेसिंग के दौरान हादसे में एक किसान की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ररी गांव निवासी संतोष पिता मातादीन शर्मा (48) अपने खेत में सरसों की फसल की थ्रेसिंग करवा रहे थे। इसी दौरान थ्रेसर मशीन में सरसों का बंडल सही तरीके से नहीं जा रहा था। किसान ने उसे पैर से अंदर धकेलने की कोशिश की, तभी अचानक थ्रेसर मशीन ने उनके पैर को पकड़ लिया। पूरी शरीर थ्रेसर की चपेट में आ गया था देखते ही देखते उनका बायां पैर मशीन में बुरी तरह फंस गया और शरीर भी थ्रेसर की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद चालक ने तुरंत मशीन बंद की, लेकिन तब तक किसान गंभीर रूप से घायल हो चुके थे।

जबलपुर में कार से 24 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

जबलपुर। सिहोरा पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक कार से 24 पेटी अंग्रेजी शराब का परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में करीब 2 लाख 14 हजार 200 रुपए कीमत की शराब, 54 हजार 500 रुपए नकद और परिवहन में प्रयुक्त कार जब्त की गई है। थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार, ग्राम पौड़ा से सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी-21-जेडजी-7413 में शराब लोड कर दो लोग कटनी की ओर जा रहे थे। इस सूचना पर एनएच-30 स्थित खुड़ावल मोड़ के पास घेराबंदी की गई और कार को रोका गया। कार में सवार अभय सिंह उर्फ विवेक ठाकुर (31) और ऐजाज अहमद (26) से पूछताछ की गई। दोनों आरोपी भट्टा मोहल्ला, कटनी के निवासी हैं।

रायसेन में दो माह से नाला निर्माण बंद

रायसेन। रायसेन शहर में नाला निर्माण का कार्य पिछले दो माह से बंद पड़ा है। ठेकेदार ने आदर्श कन्या स्कूल के सामने सागर रोड पर नाले से निकली मिट्टी डालकर छोड़ दी है, जिससे सड़क संकरी हो गई है और आवागमन में परेशानी हो रही है। यह नाला गोपाल से खरगावली तक बनाया जा रहा था, जिसका एक हिस्सा अधूरा छोड़ दिया गया है। आदर्श कन्या स्कूल के सामने नाला पूरा न होने के कारण छात्राओं और शिक्षकों को पैदल चलने और वाहन निकालने में काफी दिक्कत हो रही है। सड़क पर पड़ी मिट्टी के कारण कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। तहसील कार्यालय के पास भी गड्ढा छोड़ा इसके अतिरिक्त, सांची रोड पर तहसील कार्यालय के मुख्य गेट के पास भी एक बड़ा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है। इस गड्ढे में पानी जमा हो रहा है।

गड्ढे में गिरी कार, ससुर-बहू और पोता जिंदा जले

अंदर फंसे लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला

संवाददाता ● बालाघाट

बालाघाट में एक चलती कार अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। इससे उसमें आग लग गई, जो इतनी तेजी से फैली कि अंदर बैठे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला।

हादसे में तीन लोग जिंदा जल गए। घटना शनिवार रात 11 से 12 बजे के बीच बैहर-मलाजखंड रूट पर केवलारी चौराहे के पास की है। मृतकों की पहचान नगारची केलकर (65 वर्ष), सविता केलकर (28 वर्ष) और अभि केलकर (3 वर्ष) के रूप में हुई है। सविता, नगारची की बहू और अभि पोता था। वहीं कार चला रहा बेटा सीतम केलकर (30) और नगारची की पत्नी नाना बाई केलकर (60) गंभीर रूप से झुलस गए हैं। दोनों को पड़ोसी जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) रेफर किया गया है।

राहगीरों ने कार का कांच फोड़कर तीन को बचाया

जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय कुछ लोग वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने तुरंत कार का कांच फोड़कर तीन लोगों को बाहर निकाला। इनमें 8 साल की बच्ची पूर्वी राहांगडाले पूरी तरह सुरक्षित है।

अपने गांव से लौट रहा था परिवार

पुलिस के अनुसार, कार चालक सीतम केलकर अपने गृह ग्राम पोंडी (परसवाड़ा, बालाघाट) से पौनी (मलाजखंड) जा रहा था। पौनी में उसकी वेल्डिंग की दुकान है। वह तीन दिन पहले अपनी पत्नी और बच्चे के साथ पोंडी आया था। देर रात वह अपने माता-पिता, पत्नी, मासूम बेटे और पड़ोसी बच्ची पूर्वी के साथ अपनी ऑल्टो कार से पौनी लौट रहा था, तभी हादसा हो गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बैहर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि यह पेट्रोल कार थी। पूरी तरह जल चुकी है। अभी इसका नंबर और मॉडल बता पाना संभव नहीं है। सूचना मिलते ही पुलिस रवाना हो गई थी, तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दे दिया था। मलाजखंड नगर पालिका से पहुंचे फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार सवार तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। वहीं पुलिस ने ड्राइवर को झपकी आने की आशंका भी जताई है। हालांकि, चालक और उसकी मां दोनों आईसीयू में भर्ती हैं। अभी उनके बयान नहीं हुए हैं।

शिवपुरी में तीन शराब तस्कर गिरफ्तार, जेल भेजा

शिवपुरी। शिवपुरी जिले की सुभाषपुरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक कार से अंग्रेजी शराब ले जा रहे तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 7 पेटी में करीब 63 लीटर अंग्रेजी शराब और एक कार जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले में अवैध शराब परिवहन रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सुभाषपुरा थाना पुलिस को 27 मार्च की रात मुखबिर से सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि एक नीले रंग की कार (UP 16 BC 0221) में अवैध शराब भरकर तीन व्यक्ति शिवपुरी से ग्वालियर की ओर जा रहे हैं।

ट्रेन के शौचालय में युवक का शव फंदे पर मिला

अशोकनगर। बीना से ग्वालियर जा रही एक ट्रेन के शौचालय में रविवार को एक युवक का शव फंदे पर लटका मिला है। यह घटना गार्ड रूम के पास वाले डिब्बे में हुई। युवक की शर्ट से खिड़की पर उसका शव लटका था। काफी देर तक शौचालय का दरवाजा नहीं खुलने पर संदेह हुआ। अशोकनगर स्टेशन पर आवाज लगाने के बाद भी अंदर से कोई हलचल नहीं होने पर जीआरपी को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा तो युवक गेट के पास अपनी शर्ट के फंदे पर लटका था। शव इस तरह से लटका था कि मृतक के पैर नीचे जमीन पर लगे हुए थे। पुलिस ने शव को नीचे उतारा।

दो भाइयों का भी कर चुका मर्डर

सरपंच के जेठ की गोली मारकर हत्या

संवाददाता ● रायसेन

रायसेन के कुचवाड़ा गांव में सरपंच के जेठ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी भी पूर्व सरपंच है। इसके परिवार ने दो साल पहले मृतक के दो भाइयों की हत्या कर दी थी। मामले में 8 लोग जेल में हैं। वहीं उदयपुरा थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना शनिवार रात करीब 11 बजे की है। मृतक की पहचान 45 वर्षीय रवींद्र रघुवंशी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, रवींद्र के खेत में काम चल रहा, तभी उनका आरोपी संतोष के ट्रैक्टर ड्राइवर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर ड्राइवर ने संतोष को बुला लिया। कहासुनी के बाद संतोष ने रवींद्र के सीने में गोली मार दी। इसके बाद रवींद्र को तत्काल सिविल अस्पताल बरेली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही टीआई जयवंत सिंह काकोड़िया पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

यह वारदात पुरानी चुनावी रंजिश का नतीजा है। आरोपी संतोष रघुवंशी का परिवार लंबे समय से रघुवंशी परिवार का दुश्मन है। वर्तमान में मृतक रवींद्र के छोटे भाई प्रमोद की पत्नी रचना रघुवंशी गांव की सरपंच हैं, जिससे रंजिश और गहरा गई थी।

इस परिवार के लिए यह तीसरा बड़ा आघात है। इससे पहले 13 जून 2023 को भी संतोष के परिवार ने चुनावी रंजिश के चलते रवींद्र के छोटे भाई प्रमोद रघुवंशी और चचेरे भाई विवेक रघुवंशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

कुछ दिनों पहले भी हुआ था हमला

परिजनों ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले भी थाला पेट्रोल पंप पर रवींद्र पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय हमलावर ने उन पर बंदूक तानी थी। रवींद्र ने बहादुरी से बंदूक पकड़ ली थी और अपनी जान बचाई थी। इस हमले की एफआईआर उदयपुरा थाने में दर्ज थी, लेकिन परिवार का आरोप है कि इतनी संवेदनशील स्थिति के बावजूद पुलिस ने रवींद्र की सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए।

सहेली गेट पर पहरा देती, उसका पति करता था रेप

संवाददाता ● गुना

गुना में 22 साल की युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि जिस महिला के यहां युवती पार्लर का काम सीखने जाती थी, उसी ने अपने पति से कई बार रेप कराया। पीड़िता ने शनिवार शाम कैंट थाने में शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने महिला, उसके पति और देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

एसपी हितिका वासल के मुताबिक, पीड़िता ने बताया कि वह गुलाबगंज निवासी यास्मीन खान के यहां पार्लर का काम सीखती थी। यास्मीन का पति शरीफ खान भी अकसर वहां मौजूद रहता था। करीब चार महीने पहले यास्मीन ने उसे काम के बहाने घर बुलाया।

युवती ने बताया- जब मैं पहुंची तो घर में यास्मीन नहीं थी, बल्कि उसका पति शरीफ खान मौजूद था। इंतजार करने के दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया और किसी को बताने पर जान से मारने व बदनाम करने की धमकी

दी। डर के कारण युवती ने यह बात अपने परिवार को नहीं बताई। युवती ने बताया कि जब उसने यह बात यास्मीन को बताई तो उसने इसे नजरअंदाज करते हुए किसी को नहीं बताने की बात कही। इसके बाद कई बार ऐसा हुआ कि यास्मीन उसे घर बुलाती और धमका कर पति के साथ कमरे में भेज देती, जहां आरोपी उसके साथ रेप करता था और वह गेट पर पहरा देती थी।

फोन कर बुलाया, नहीं आने पर बदनामी की धमकी

युवती का आरोप है कि शनिवार को भी आरोपी शरीफ खान ने युवती को फोन कर घर बुलाया और नहीं आने पर बदनाम करने की धमकी दी। जब युवती वहां पहुंची तो घर में यास्मीन खान और शरीफ का भाई मुवीन खान भी मौजूद थे। आरोप है कि दोनों की मौजूदगी में शरीफ युवती को जबरन कमरे में ले गया और रेप करने का प्रयास किया। विरोध करने पर दोनों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें शरीफ गिरकर घायल हो गया। युवती का कहना है कि इसी दौरान किसी ने युवती के परिजनों को सूचना दे दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने युवती को बाहर निकाला। परिजनों को देखकर आरोपी भागने लगा और भागते समय गिरकर घायल हो गया।

विदिशा में नागरिकों को जान के साथ खिलवाड़

खराब ओर बदबू दार पनीर बेचा जा रहा

नितिन चंदेल ● विदिशा

विदिशा के माधवगंज क्षेत्र का "श्याम डेयरी, माधवगंज, विदिशा" द्वारा ग्राहकों को खराब एवं बदबू दार पुराना रखा हुआ पनीर बेचा जा रहा है।

कई ग्राहकों द्वारा श्यामा डेयरी से पनीर खरीदा, जो कि खराब गुणवत्ता का था तथा उसमें दुर्गंध भी आ रही थी। इस प्रकार का खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है और इससे लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। संबंधित डेयरी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार कड़ी कार्रवाई होना चाहिए, ताकि भविष्य में आम जनता के स्वास्थ्य के साथ ऐसा खिलवाड़ न हो।

ब्रह्माणी माता मंदिर मेले में डांसर ने किए डर्टी इशारे

'हिला दूं MP-UP' गाने पर अश्लील डांस

संवाददाता ● उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में स्थित ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर में डांस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डांसरों ने अश्लील गानों पर डांस किया। कालीसिंध महोत्सव मेले के आयोजकों ने बाहर से डांसरों को बुलाया था। मामला तराना जनपद पंचायत के सामानेरा गांव का है।

जानकारी के मुताबिक, ब्रह्माणी माता मंदिर परिसर के पीछे बने मंच पर 19 मार्च से 28 मार्च तक कथा का आयोजन चल रहा था। आयोजन के अंतिम दिन डांस कार्यक्रम रखा गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। मेले के दौरान मंच पर फिल्मी गाने पर डांस प्रस्तुति दी गई, जिसमें "हिला दूं एमपी, हिला दूं यूपी, जो मारूं मैं ठुमका, ये मेरा लहंगा पड़ा है महंगा मेरी पतली कमर, मेरी तिरछी नजर छम्मा-छम्मा" जैसे बोलों पर डांसर ने परफॉर्म किया। डांसर डर्टी इशारे भी करती दिखी।

डांस कार्यक्रम के दौरान कुछ युवकों ने हुड़दंग शुरू कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पहले लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ के काबू में नहीं आने पर हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पुलिस कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों को डंडों से पीटा गया, जिसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई और स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही, हालांकि बाद में हालात सामान्य हो गए।

पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया

मामले में माकड़ौन थाना प्रभारी पीएस राजपूत ने बताया कि मेले के दौरान कुछ लोग अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे थे। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद उपनिरीक्षक मंशाराम चौधरी और उनकी टीम ने हल्का बल प्रयोग किया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में किसी के खिलाफ कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है। मेले की व्यवस्था की जिम्मेदारी सहायक विकास विस्तार अधिकारी राजेश कदवाने, मेला अधिकारी आशीष तिवारी सहित अन्य अधिकारियों के पास थी। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद आयोजन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से अश्लील डांस मामले में प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

गोडसे ने हत्या नहीं वध किया, बीजेपी ने सावरकर के विचारों से दूरी बनाकर गद्दारी की

यति नरसिंहानंद बोले- गांधी समाज के लिए जहर

संवाददाता ● ग्वालियर

जूना अखाड़ा डासना के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी रविवार को ग्वालियर पहुंचे। यहां वे हिन्दू महासभा कार्यालय पहुंचे और पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान देते हुए उन्हें समाज के लिए नुकसानदायक बताया और नाथूराम गोडसे द्वारा की गई हत्या को वध करार दिया।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान यति नरसिंहानंद गिरी ने कहा कि उनके लिए यह सौभाग्य की बात है कि वे अपने सहयोगी जयवीर भारद्वाज के निमंत्रण पर गोडसे से जुड़े स्थल पर पहुंचे और वीर सावरकर की प्रतिमा को नमन किया। उन्होंने हिन्दू महासभा भवन आने को भी अपने लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि अगर हम सावरकर जी के सिद्धांतों पर नहीं चलेंगे तो सनातन धर्म बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा। अमर बलिदानी पंडित नाथूराम गोडसे जी वह व्यक्ति थे जिन्होंने सावरकर के बताए हुए रास्ते पर चलकर जैसे हजारों बलिदानियों ने, हजारों क्रांतिकारियों ने सावरकर जी की बातों को माना, उसी तरह वीर,

वीर विनायक सावरकर जी की बात को अमर बलिदानी पंडित नाथूराम गोडसे जी ने भी माना और गांधी का वध किया।

महामंडलेश्वर ने कहा कि यह स्वतंत्र भारत का पहला अमूल्य बलिदान था, जो सनातन धर्म की रक्षा के लिए दिया गया। उनके अनुसार, नाथूराम गोडसे एक विचार पुंज हैं और यदि सनातन धर्म व हिंदू समाज उनका सही मूल्यांकन नहीं करेगा, उन्हें नहीं समझेगा, तो हिंदू समाज बहुत जल्दी विनष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गांधी समाज के लिए जहर हैं। उनके मुताबिक, गांधी और उनके जैसे नेता अपने लोगों को दूसरों के लिए धोखा देते हैं, जबकि नाथूराम गोडसे उस नस्तर की तरह हैं, जिससे उस कैंसर और जहर का इलाज किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सनातन धर्मियों की ओर से अब तक नाथूराम गोडसे के साथ जो हुआ, उसके लिए वे उनसे क्षमा प्रार्थी हैं।

बीजेपी को कांग्रेस से भी ज्यादा जिम्मेदार बताया

पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वे भाजपा सरकार की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, क्योंकि यहां हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं को नाथूराम गोडसे का मंदिर बनाने से रोका गया। उन्होंने कहा कि जहां कुछ लोग अपने जीवित नेताओं के मंदिर बना रहे हैं, वहीं सनातन धर्म के आजाद भारत में पहले और बड़े बलिदानी माने जाने वाले व्यक्ति का मंदिर बनाने से रोकना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में भाजपा सरकार दोषी है और उनके अनुसार भाजपा, कांग्रेस से भी ज्यादा जिम्मेदार है। उनका तर्क था कि कांग्रेस गांधीवादी विचारधारा से जुड़ी पार्टी है, लेकिन जनसंघ, भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस खुद को सावरकर के विचारों से जुड़ा बताते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस के संस्थापक हेडगेवार को सावरकर का अनुयायी माना जाता है और संगठन की स्थापना भी उन्हीं विचारों से प्रभावित बताई जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भाजपा ने सावरकर और गोडसे के विचारों से दूरी बनाकर उनके साथ 'गद्दारी' की है, जिसे उन्होंने अक्षम्य बताया।

हर घर में गोडसे की प्रतिमा होनी चाहिए

पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर आगे कहा कि, मैं इसकी निंदा करता हूं। क्या लगता है इसका मंदिर बनेगा? बनना चाहिए। हर सनातनी, हर जीवित हिंदू के घर में नाथूराम गोडसे जी की प्रतिमा होनी चाहिए। उनकी फोटो होनी चाहिए, उनकी तस्वीर होनी चाहिए। लेकिन सब कई बार तो विरोध हुआ है। देखिए, विरोध तो गद्दार करते ही हैं। गांधीवाद देश को बर्बाद करने का नाम है। गांधीवाद धर्म को बर्बाद करने का नाम है। गांधीवाद हिंदू समाज से विश्वासघात का नाम है। लेकिन गांधीवाद से नेताओं को खुलकर अय्याशी करने का मौका और अपनी अय्याशी को छुपाने का मौका मिलता है। वीर सावरकर जी और नाथूराम गोडसे जी सनातन धर्म की सबसे प्रज्वलित अग्नि है। अगर आप उनके विचारों को अपनाएंगे तो आपको आत्मबलिदान देना पड़ेगा।

सहेली ने कॉलेज में दाखिला कराने और नौकरी के नाम पर छिंदवाड़ा से बुलाया

नाबालिग छात्रा को शराब पिलाकर 2 युवकों ने किया रेप

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के बागसेवनिया इलाके में एक नाबालिग छात्रा से रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता को उसी की दोस्त ने नौकरी दिलाने और कॉलेज में दाखिला कराने के नाम पर छिंदवाड़ा से भोपाल बुलाया था।

अपने कमरे पर ठहराने के बाद युवती को बीयर और शराब पिला दी। किशोरी के बेसुध होते ही उससे दो अलग-अलग युवकों ने अलग-अलग समय पर रेप किया। पूरा घटनाक्रम 18 मार्च का है। पीड़िता 27 मार्च को थाने पहुंची, जांच के बाद बंधक बनाकर रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत FIR दर्ज कर ली गई। पुलिस के मुताबिक 17 वर्षीय पीड़िता 12वीं पिछले साल पास कर चुकी है। अब कॉलेज में दाखिला लेना चाहती है। मोनिका इंदौरिया नाम की युवती छिंदवाड़ा की रहने वाली है। फिलहाल भोपाल के बागसेवनिया इलाके में स्थित विद्या नगर में अपनी एक सहेली रेणुका बुनकर के साथ किराए के फ्लैट में रह रही थी। मोनिका और पीड़िता के बीच अकसर कॉल और सोशल मीडिया पर बात होती रहती थी। मोनिका ने पीड़िता को झांसा दिया कि वह भोपाल आ जाए। यहां उसे नौकरी के साथ ही कॉलेज में दाखिला दिला देगी। मोनिका के झांसे में आकर 18 मार्च को पीड़िता

भोपाल आ गई। मोनिका ने उसे पिक किया और अपने फ्लैट पर ले गई। जहां उसकी सहेली रेणुका के साथ उसका परिचय कराया गया। इसी बीच रेणुका काम पर चली गई।

नहाने गई तब दोस्तों को कॉल कर बुला लिया

पीड़िता नहाने के लिए चली गई, इसी बीच मोनिका ने दो युवकों को कॉल कर बुला लिया। आरोपी रात करीब आठ बजे फ्लैट पर पहुंचे। जहां उन्होंने एक कमरे में पीड़िता को जबरन पहले बीयर पिलाई इसके बाद उसे शराब पिला दी। इससे किशोरी को नशा हुआ और वह बदहवास हो गई। तब उसके साथ एक युवक ने ज्यादती की। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इस दौरान उसे अहसास हो रहा था कि कोई उसके साथ गलत काम कर रहा है। लेकिन अधिक नशे में होने के कारण विरोध नहीं कर सकी।

देर रात फ्लैट पर लौटी रेणुका ने दोबारा रेप कराया

देर रात रेणुका फ्लैट पर लौटी। उसने पीड़िता को बदहवास देखकर उसे नहलाया। इसके बाद एक कमरे में उसे लिटा दिया और पड़ोस में खुद ले गई। तभी एक अन्य युवक ने पीड़िता के साथ रेप किया। तब तक उसका नशा कुछ कम हो चुका था, विरोध करने पर आरोपी ने उसे धमकाया और पीटा। सुबह होश आने पर वह फ्लैट से बिना कोई बात किए निकल गई। छिंदवाड़ा में जाने के कुछ दिन बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। तब उसने अपनी आपबीती मां को बताई। मां के साथ 27 मार्च को भोपाल आई और थाने पहुंची।

थाने में नहीं थी महिला अधिकारी

27 मार्च को जिस समय पीड़िता थाने पहुंची उस समय थाने में महिला अधिकारी मौजूद नहीं थीं। लिहाजा गोविंदपुरा थाने से एसआई रूपा मिश्रा को कायमी करने के लिए बुलाया गया। उन्होंने एफआईआर दर्ज की, शनिवार को पीड़िता के कोर्ट में भी कथन दर्ज करा दिए गए हैं। हालांकि पुलिस दो दिन तक मामले को दबाए रही, रविवार को दोनों युवतियों को हिरासत में लिया गया, तब घटना का खुलासा हुआ। आरोपी युवती मोनिका और रेणुका की निशानदेही पर दो युवकों बालाघाट निवासी निखिल सिंह (32) और 30 वर्षीय अतुल मेड़ेकर निवासी नवीन नगर ऐशबाग को भी हिरासत में लिया है, लेकिन गिरफ्तारी की पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है। अतुल भी मूलरूप से बालाघाट का रहने वाला है। फिलहाल वह भोपाल में रहकर कंस्ट्रक्शन वर्क करता है।

डीसीपी बोले- तीन संदेही हिरासत में लिए

डीसीपी विवेक सिंह ने बताया कि फिलहाल बंधक बनाकर रेप और पास्को की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। तीन संदेहियों को हिरासत में भी ले लिया है। घटना के समय पीड़िता बदहवास थी, रेप करने वाले लिहाजा आरोपियों की संख्या स्पष्ट नहीं है। प्रारंभिक तौर पर दो युवकों द्वारा रेप किए जाने की बात सामने आई है। केस की जांच जारी है। अन्य की भूमिका स्पष्ट होने पर आरोपियों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

शॉर्ट न्यूज

भोपाल एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं का विस्तार

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट पर रविवार को यात्री सुविधाओं के बड़े विस्तार की सौगात मिली। नागरिक उड्डयन मंत्री किन्जारापु राममोहन नायडू ने राजकोट से वर्चुअली इन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। यह पहल देशभर में एयरपोर्ट विकास के तहत की गई है। भोपाल एयरपोर्ट पर जिन प्रमुख सुविधाओं की शुरुआत हुई, उनमें नया घरेलू आगमन हॉल, अत्याधुनिक फायर स्टेशन और डिजियात्रा सेवा शामिल है। कार्यक्रम में राजकोट में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा मौजूद रहे, जबकि भोपाल में हुजूर विधायक रमेश्वर शर्मा और महापौर मालती राय ने शिरकत की। भोपाल एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं के विस्तार के दौरान विधायक रामेश्वर शर्मा।

एम्स में शुरू हुई स्पेक्ट-सीटी बोन स्कैन

इंदौर। एम्स में पीठ दर्द जैसी आम लेकिन जटिल समस्या के निदान के लिए अत्याधुनिक स्पेक्ट-सीटी मशीन से बोन स्कैन की सुविधा शुरू हुई है। हर साल ओपीडी में 450 से 500 मरीज सिर्फ बैक पेन की समस्या के साथ पहुंचते हैं। इनमें लंबी जांच के बाद भी कई बार कारण स्पष्ट नहीं होता है। ऐसे मामलों में अब सटीक जानकारी के लिए नई मशीन को इंस्टॉल किया गया है। एम्स के डॉक्टरों के अनुसार, इस जांच के जरिए न सिर्फ दर्द के सटीक स्थान का पता लगाया जा सकता है, बल्कि उसके वास्तविक कारण की भी पहचान संभव हो पाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सही समय पर सटीक जांच से मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा और लंबे समय से परेशान लोगों को राहत मिलेगी।

भोपाल में भव्य राम दरबार महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल। नववर्ष और हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर करोंद स्थित श्री रुद्रेश्वर हनुमान मंदिर में रविवार से श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। पहले दिन निकाली गई कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को धार्मिक माहौल से सराबोर कर दिया। पीले वस्त्रों में सजी महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर सहभागिता निभाई, वहीं जयघोष और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन समिति के प्रेम नारायण साहू और दीपेश साहू ने बताया कि यह पांच दिवसीय महोत्सव 29 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। आयोजन के तहत प्रतिदिन पूजा-अर्चना, यज्ञ, हवन और विशेष धार्मिक अनुष्ठान होंगे। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण और भंडारे की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर शहर की महापौर मालती राय सहित समाज के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया।

हाउसिंग बोर्ड के प्रोजेक्ट्स की साइट पर पहुंचे ACS

बिट्टन मार्केट में बन रहे अर्जुन फिटनेस क्लब को वर्ल्ड क्लास बनाने के दिए निर्देश

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल में निर्माणाधीन हाउसिंग बोर्ड के विभिन्न प्रोजेक्ट्स की अपर मुख्य सचिव (एसीएस) संजय दुबे और कमिश्नर गौतम सिंह ने रविवार को साइट विजिट व समीक्षा की। एसीएस ने मुख्य रूप से बिट्टन मार्केट में बन रहे अर्जुन फिटनेस क्लब और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट के निर्माण को देखा।

शहर के सबसे आधुनिक अर्जुन फिटनेस क्लब की डिजाइन को एसीएस ने अपडेट करने का निर्देश दिया। एसीएस ने पार्किंग स्पेस और बढ़ाने व बुजुर्गों के लिए अलग से पार्किंग बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अर्जुन फिटनेस क्लब वर्ल्ड क्लास का बनना चाहिए। बिट्टन मार्केट में बन रहे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट पर एसीएस ने इंजीनियरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों की उच्च गुणवत्ता बनाए रखते हुए समय से पहले प्रोजेक्ट पूरा किया जाए।

पांच मंजिला अर्जुन फिटनेस क्लब में ऑलवेदर स्विमिंग पूल

बिट्टन मार्केट के पास स्थित अर्जुन फिटनेस क्लब

को तोड़कर हाउसिंग बोर्ड विश्वस्तरीय सुविधाओं वाला शहर का सबसे आधुनिक क्लब बना रहा है। लगभग 40 साल पहले हाउसिंग बोर्ड ने इस क्लब को बनाया था। एक एकड़ में बना यह क्लब वर्तमान में एक मंजिल का है, जिसे तोड़कर 5 मंजिल का बनाया जाएगा।

नए क्लब में यह रहेगा

नए क्लब में ऑल वेदर स्विमिंग पूल होगा। यानी पूरे साल इसमें तैराकी का आनंद लिया जा सकेगा। नए क्लब में 20 हजार वर्ग फीट में शहर का सबसे बड़ा और आधुनिक जिम होगा। 3 बैंडमिंटन कोर्ट, टेबल टेनिस, योगा सेंटर, स्क्वैश और रूफ टॉप रेस्टोरेंट सहित तमाम आधुनिक सुविधाएं इस क्लब में होगी।

किराना कारोबारी ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

भोपाल। बैरागढ़ इलाके में रहने वाले एक किराना कारोबारी ने अपनी दुकान में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। रविवार तड़के उनकी बॉडी फंदे पर लटकी मिली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार की दोपहर को बॉडी पीएम के बाद परिजनों को सौंप दी गई है। उमेश कुमार खतरी पिता हेमंत कुमार खत्री (41) नीलकंठ कॉलोनी शिव मंदिर के पास बैरागढ़ में रहते थे। उनके भाई अजीत ने बताया कि भैया किराना कारोबारी थे, इसी के साथ फाइनेंस कंपनी के लिए रिकवरी का काम भी करते थे। 2007 में शादी हुई और 2016 में पत्नी से तलाक ले लिया। उनके दो बच्चे हैं, दोनों बच्चे पत्नी के पास हैं।

श्रीधाम एक्सप्रेस अब एलएचबी कोच से चलेगी

भोपाल। रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेल ने जबलपुर-निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस के रेक को पारंपरिक आईसीएफ कोच से बदलकर आधुनिक एलएचबी कोच में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। यह बदलाव गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस में 30 मई 2026 से जबलपुर से प्रारंभ होने वाली यात्रा से लागू होगा। वहीं गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस में 31 मई 2026 से निजामुद्दीन से शुरू होने वाली यात्रा से यह व्यवस्था प्रभावी होगी। एलएचबी कोच पारंपरिक आईसीएफ कोच की तुलना में अधिक सुरक्षित और आरामदायक माने जाते हैं। इनमें उच्च गति से संचालन की क्षमता होती है।

एमपी के 1.5 लाख शिक्षक एकजुट

TET समेत 3 मांगों के लिए बनाया संयुक्त मोर्चा

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में टीईटी को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पात्रता परीक्षा को अनिवार्य किए जाने के फैसले के खिलाफ शिक्षक अब विरोध की राह पर हैं और इसके लिए संगठित रणनीति बनाई जा रही है। इसी कड़ी में 29 मार्च दोपहर 12 बजे से प्रदेशभर के शिक्षकों की सामूहिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधि भोपाल के गांधी भवन में एकत्र हुए। वहीं, अन्य जिलों के शिक्षकों को डिजिटल माध्यम से जोड़ा गया।

दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय (DPI) भोपाल के हालिया आदेश के अनुसार जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उन्हें अनिवार्य रूप से टीईटी परीक्षा पास करनी होगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर लिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना होगा, अन्यथा सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जा सकती है, जिससे शिक्षकों में असंतोष बढ़ गया है।

31 मार्च तक मांगी टीचर्स की जानकारी इधर, लोक शिक्षण संचालनालय ने 9 मार्च को सभी जिलों से ऐसे प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की जानकारी मांगी है, जिन्होंने टीईटी परीक्षा पास नहीं की है। इसको लेकर जारी नए आदेश के अनुसार, यह जानकारी 31 मार्च तक देने के निर्देश दिए गए हैं। यही विवाद का कारण बना हुआ है, क्योंकि इस दायरे में वे शिक्षक भी आ रहे हैं, जो 2005 और 2008 की भर्ती प्रक्रिया के तहत

विभाग और टीचरों के अलग-अलग तर्क

यह विवाद केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि "नीति बनाम न्याय" का रूप ले चुका है। विभाग का तर्क है कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए टीईटी जरूरी है। वहीं, शिक्षकों का तर्क है कि पुराने नियमों से नियुक्ति हुई, तो नए नियम लागू नहीं हो सकते। शिक्षकों का कहना है कि यह "रेट्रोस्पेक्टिव" यानी पुराने मामलों पर नए नियम लागू करने जैसा है, जो कानूनी रूप से कमजोर है।

नियुक्त हुए थे और उस समय लागू नियमों के अनुसार पात्र थे। अब नए नियम लागू होने की आशंका ने पूरे शिक्षा तंत्र में असंतोष पैदा कर दिया है। शिक्षक बोले- आगे की लड़ाई एक साथ लड़ेंगे शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर 29 मार्च को सभी शिक्षक संगठनों की संयुक्त बैठक बुलाई है। इस बैठक में संयुक्त शिक्षक मोर्चा बनाया जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। टीईटी के अलावा "शिक्षक एप से अटेंडेंस" और "सेवा वृद्धि" जैसे मुद्दे भी प्रमुख रहेंगे। इस बैठक में ही शिक्षक आगे आंदोलन का प्लान तैयार करेंगे।

महिला उत्पीड़न पर महिला कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

रूपाली शर्मा बोलीं : बृजभूषण जैसे नेताओं पर भाजपा ने कार्रवाई नहीं की

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा की बहू और महिला कांग्रेस नेत्री रुपाली शर्मा ने महिला उत्पीड़न को लेकर बीजेपी नेताओं पर हमला बोला। भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रूपाली शर्मा ने कहा कि सरकार बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की बात करती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराध क्यों नहीं कम करती है।

भाजपा नेताओं की बहुत लंबी लिस्ट है जिनका महिला उत्पीड़न में नाम है। सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है। कुलदीप सिंह सेंगर, बृजभूषण शरण सिंह, पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह और अतुल चौरसिया

जैसे नेताओं पर कार्रवाई की मांग की। आदिवासी महिलाओं के बलात्कार का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ चलती गाड़ी में रेप हो रहे हैं, सरकार कुछ नहीं कर रही है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि भाजपा के नेताओं के नाम ही क्यों उत्पीड़न में सामने आ रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं पर भी होगी कार्रवाई

रुपाली शर्मा ने कहा कि अगर महिला उत्पीड़न में कांग्रेस नेताओं के नाम आते हैं तो उन पर कांग्रेस कार्रवाई करेगी। दरअसल, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के 2024 के आंकड़ों के मुताबिक 151 सांसद और विधायकों पर महिला उत्पीड़न के केस दर्ज हैं, जिसमें 54 भाजपा के तो 23 कांग्रेस के विधायक शामिल हैं। इस सवाल पर रूपाली शर्मा ने कहा कोर्ट में जो भी दोषी पाए जाते हैं वो किसी भी दल के हों उनपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

महावीर जयंती की छुट्टी का फैसला कलेक्टरों पर छोड़ा

संवाददाता ● भोपाल

महावीर जयंती के सरकारी अवकाश को लेकर बने भ्रम के बीच मध्यप्रदेश शासन ने स्पष्ट आदेश जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आज यानी 29 मार्च को आदेश जारी कर महावीर जयंती पर अवकाश घोषित करने के लिए जिला कलेक्टरों को निर्णय लेने की छूट दी है। बता दें कि पिछले कुछ सालों से 31 मार्च को महावीर जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। वहीं बैंकों में अवकाश को लेकर असमंजस की स्थिति है।

सामाजिक संगठनों से मिले ज्ञापनों के बाद शासन ने कलेक्टरों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार 31 मार्च की जगह 30 मार्च 2026 को अवकाश घोषित करने की अनुमति दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन जिलों में महावीर जयंती 31 मार्च को ही मनाई जा रही है, वहां पूर्व घोषित अवकाश ही लागू रहेगा और अलग आदेश की आवश्यकता नहीं होगी। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी कर 30 मार्च को महावीर जयंती का अवकाश घोषित किया है। इधर, ग्वालियर, जबलपुर और सीहोर में भी 30 मार्च को ही सार्वजनिक अवकाश रहेगा। बैंकों के अवकाश को लेकर असमंजस महावीर जयंती पर छुट्टी पर मध्य प्रदेश की बैंकों को लेकर असमंजस का माहौल है। देर शाम तक छुट्टी के निर्देश नहीं आए हैं। भोपाल में सोमवार को बैंक खुले रखने की बात सामने आई है।

123 नगर परिषदों में 4-4, 46 नगर पालिकाओं में 6-6 मनोनीत पार्षद बनाए

169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्त

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद रविवार को 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन के नामों की घोषणा कर दी गई है। 123 नगर परिषदों में 4-4 जबकि 46 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन (मनोनीत पार्षदों) नियुक्त किए गए हैं।

एल्डरमैन का कार्यकाल वर्तमान परिषद के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा या आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा, ये बाद में पता चलेगा सागर छोड़कर शेष बुंदेलखंड और चंबल के निकायों में सहमति न बन पाने के कारण फिलहाल लिस्ट होल्ड रखी गई है। एल्डरमैन के नामों की घोषणा नगरीय निकाय में सबसे शुरुआती इकाई यानी नगर परिषद से की गई है। मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति का मुख्य आधार प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की जानकारी होता है। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त होने वाले एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में तो सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, लेकिन इनके पास वोट देने का अधिकार नहीं होता। इनका कार्यकाल परिषद के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होता है। सरल शब्दों में कहें तो, ये परिषद के 'मार्गदर्शक' की भूमिका में होते हैं, 'निर्णायक' की नहीं।

मिशन निकाय चुनाव, अनुभवी नेताओं को कमान

भाजपा इस बार एल्डरमैन की नियुक्तियों को केवल पद भरने के तौर पर नहीं, बल्कि निकाय चुनावों से पहले कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने के टूल के रूप में देख रही है। फॉर्मूले के तहत उन पुराने और अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिन्हें नगर प्रशासन का गहरा ज्ञान है। इसका एक मकसद कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करना भी है। एल्डरमैन की नियुक्ति करके चुनाव से पहले जिला स्तर के उन सक्रिय नेताओं को एडजेस्ट

किया गया है, जो लंबे समय से नियुक्तियों का इंतजार कर रहे थे।बीजेपी ने अनुभवी एल्डरमैन के जरिए परिषदों के कामकाज और विकास कार्यों की निगरानी को मजबूत करने की कोशिश भी की है।

संपादकीय

ट्रंप की हठधर्मिता से धराशाई हुई वैश्विक अमेरिकी धारणा

अमेरिका विश्व के सर्वशक्तिशाली देशों में अपना सर्वोच्च स्थान रखता है। यही वजह है कि दुनिया के अधिकांश देश सर्वशक्तिमान अमेरिका से अपने मधुर सम्बन्ध बनाये रखना ही बेहतर समझते हैं। अपने प्रभुत्व या दबदबे को क़ायम रखने के लिये अमेरिका भी अन्य देशों के बीच बांटो और राज करो का खेल खेलता आ रहा है। इसी घिनौने खेल के तहत वह दुनिया के लगभग 57 इस्लामिक देशों में शिया सुन्नी मतभेद को हवा देता रहता है। और इसी प्रोपेगेंडा की आड़ में अमेरिका कई इस्लामिक देशों में सामरिक महत्व के अनेक अड्डे संचालित कर रहा है। विदेश संबंध परिषद के अनुसार अमेरिका इस क्षेत्र में कम से कम 19 देशों पर स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के सैन्य ठिकानों का एक व्यापक नेटवर्क संचालित करता है। इनमें बहरीन, मिस्र, इराक़, जॉर्डन, कुवैत, क़तर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित आठ स्थाई सैन्य अड्डे भी शामिल हैं। अधिकांश इस्लामिक देशों में सैन्य अड्डे संचालित करने के बदले अमेरिका को वहाँ की सरकारों से भारी धन भी मिलता है। उदाहरण के तौर पर सऊदी अरब जैसा इस्लामिक देश अमेरिका को अपने यहां तैनात अमेरिकी सैनिकों के ख़र्च को आंशिक तौर पर उठाने के बदले में लगभग 500 मिलियन डॉलर देता आ रहा है। अमेरिका और मेज़बान देश आमतौर पर स्टेटस ऑफ़ फ़ोर्सेज़ एग्रीमेंट और अन्य रक्षा समझौतों के तहत तय करते हैं कि कौन कितना ख़र्च उठाएगा। इन देशों को भी अमेरिकी संरक्षण, हथियारों की बिक्री, प्रशिक्षण, रक्षा गठबंधन और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ने के रूप में लाभ होता है, जिसके बदले वे अमेरिकी सैनिकों के ख़र्च या उपयोग के लिए कुछ न कुछ भुगतान या संसाधन देते हैं। अमेरिका दशकों से इसी नीति पर चलते हुये अनेक तेल उत्पादक इस्लामिक देशों से अपनी आवश्यकतानुसार तेल लेता है साथ ही इनकी सुरक्षा के नाम पर इन्हें हथियार भी बेचता है। कुल मिलकर इस प्रपंच के पीछे वह इन देशों को यही सन्देश देता आ रहा है कि -अमेरिका ही तुम्हारा रक्षक है अन्यथा ईरान जैसा देश मध्य एशिया के खाड़ी देशों को निगल जायेगा। परन्तु गत 28 फ़रवरी से अमेरिका व इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध के बाद ईरान ने स्वयंभू महाबली अमेरिका को जिसतरह उसकी औक़ात दिखाई है उसने अमेरिका व इस्राईल सहित स्वयं को अमेरिकी सैन्य ठिकानों के बल पर सुरक्षित रहने की दशकों से ग़लत धारणा पाले बैठे इस्लामिक देशों को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। ईरान ने जिन लगभग 8 मुस्लिम देशों पर हमले किए इनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, क़तर, बहरीन, जॉर्डन व इराक़ जैसे देशों के नाम शामिल हैं। इन ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के "सार्वभौमिक इलाक़े"। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम,थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टार्गेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी। इन्हीं ईरानी हमलों के बाद अमेरिका को अपना रक्षक समझने वाले खाड़ी के इस्लामिक देशों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि जब अमेरिका ख़ुद अपने सैन्य ठिकानों की हिफ़ाज़त नहीं कर सका तो वह दूसरे देशों की रक्षा कैसे करेगा ? इन्हीं हालात ने इस्लामिक देशों को यह सोचने के लिये भी मजबूर किया है कि अमेरिका पर सुरक्षा हेतु निर्भर रहने से बेहतर है इस्लामिक देशों के परस्पर मधुर संबंध बनाना। और साथ ही इनमें से कई इस्लामिक देशों ने अमेरिका व इस्राईल द्वारा खड़े किये गये शिया-सुन्नी मतभेद के पीछे की चाल को भी पहचान लिया है। इसीलिये पूर्णतयः अमेरिकी अनुकम्पा पर आश्रित रहने वाले चंद पिछलग्गू देशों के सिवा अधिकांश देशों ने अमेरिका से फ़ासला बनाकर रखने का मन बना लिया है। ट्रंप ने इस्राईल के दबाव अथवा बहकावे में आकर अपने ज़िद्दीपन के चलते ही ईरान विरोधी सैन्य अभियान में शामिल होने जैसा जो घातक फ़ैसला किया है उससे दुनिया के अनेक देश ही ख़िलाफ़ नहीं बल्कि अमेरिका में घरेलू स्तर पर भी काफ़ी विरोध के स्वर बुलंद हुये हैं। गत दिनों किये गये अनेक सर्वेक्षणों में लगभग 50 से 60 प्रतिशत तक अमेरिकियों ने ईरान के ख़िलाफ़ जारी सैन्य हमलों का विरोध किया है या ट्रंप के इस निर्णय से अपनी असहमति जताई है। कई सर्वेक्षणों में तो इन्हें "अत्यधिक हस्तक्षेप" या अनावश्यक युद्ध तक की संज्ञा भी दी गयी है। डेमोक्रेट पार्टी के विशेष जनसमूह और कई उदारवादी व प्रगतिशील संगठनों ने ट्रंप की ऐसी नीतियों के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किये ऑनलाइन अभियान चलाये और कांग्रेस में प्रस्ताव लाकर इसका विरोध भी किया है।

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 : जनजातीय अस्मिता, आत्मनिर्भरता और अवसरों का विस्तारित उत्सव

लेखक - विनोद कुमार सिंह

महोत्सव का विस्तार विशेष रूप से आदिवासी कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और वन धन विकास केंद्रों के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। इस विस्तारित अवधि में उन्हें उपभोक्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा,जिससे न केवल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, बल्कि उनकी कला और परंपरा को व्यापक पहचान भी मिलेगी। बाजार तक सीधी पहुँच, बेहतर मूल्य और स्थायी आय—ये तीनों पहलू इस आयोजन के केंद्र में हैं।

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित हरित और सांस्कृतिक आभा से परिपूर्ण परिसर सुंदर नर्सरी में आयोजित भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 ने इस वर्ष जिस प्रकार जनसामान्य, नीति-निर्माताओं, उद्यमियों और सांस्कृतिक प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया,वह अपने आप में एक ऐतिहासिक संकेत है—भारत की जनजातीय परंपराओं के पुनर्जागरण और उनके आर्थिक सशक्तिकरण का।जनता के अभूतपूर्व उत्साह और मांग को देखते हुए जनजातीय मामलों का मंत्रालय ने ट्राइफेड के सहयोग से इस महोत्सव को 5 अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया। यह विस्तार केवल तिथि का विस्तार नहीं, बल्कि एक व्यापक दृष्टि का प्रतीक है—जनजातीय समाज को बाजार,सम्मान और अवसरों से जोड़ने की प्रतिबद्धता का।सरकार के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की जनजातीय विरासत अब केवल संग्रहालयों या पुस्तकों तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि वह देश की आर्थिक और सांस्कृतिक धारा में सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। महोत्सव में उमड़ी भीड़, प्रदर्शनी स्टॉलों पर लगी कतारें, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर गूँजती तालियाँ और आदिवासी व्यंजनों का स्वाद लेते लोग - यह सब मिलकर एक जीवंत भारत की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

महोत्सव का विस्तार विशेष रूप से आदिवासी कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और वन धन विकास केंद्रों के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। इस विस्तारित अवधि में उन्हें उपभोक्ताओं से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा,जिससे न केवल उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी, बल्कि उनकी कला और परंपरा को व्यापक पहचान भी मिलेगी। बाजार तक सीधी पहुँच, बेहतर मूल्य और स्थायी आय—ये तीनों पहलू इस आयोजन के केंद्र में हैं।इस वर्ष के आयोजन में 22राज्यों के78 आदिवासी समुदायों की सह भागिता,28 राज्यों के 300 से अधिक कला एवं शिल्प प्रदर्शकों की उपस्थिति और 21 राज्यों से आए 120 आदिवासी व्यंजन विशेषज्ञों द्वारा संचालित 30 फूड स्टॉल—यह आंकड़े केवल संख्या नहीं,बल्कि भारत की विविधता और एकता का सशक्त प्रतीक हैं। यहां हस्तशिल्प,हथकरघा, प्राकृतिक उत्पाद, जैविक वस्तुएं और पारंपरिक ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 29 मार्च को आयोजित वन धन कॉन्क्लेव रहा,जिसका उद्घाटन जनजातीय मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके द्वारा विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया।इस कॉन्क्लेव ने जनजातीय उद्यमिता को नई दिशा देने का कार्य किया। अपने उद्घाटन संबोधन में मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "जनजातीय समुदाय केवल संरक्षण के पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार हैं।उनके पारंपरिक ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उनकी समझ और उनकी जीवन शैली आज के सतत विकास के मॉडल को दिशा दे सकती है।"मंत्री ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर बनाना है, न कि केवल सहायता पर निर्भर रखना। उन्होंने लघु वन उपज के मूल्यवर्धन,स्थानीय उत्पादों के ब्रांडिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बाजार विस्तार पर विशेष बल दिया।उनके अनुसार,"जब एक आदिवासी कारीगर का उत्पाद सीधे उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो वह केवल एक वस्तु का लेन-देन नहीं होता,बल्कि वह विश्वास, परंपरा और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है।"

कॉन्क्लेव के अंतर्गत पाँच विषयगत सत्र आयोजित किए गए,जिनमें सतत आजीविका,लघु वन उपज का मूल्य संवर्धन,बाजार संपर्क, कौशल विकास और जनजातीय उद्यमशीलता को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों,नीति निर्माताओं और उद्यमियों ने मिलकर यह विचार किया कि किस प्रकार जनजातीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। महोत्सव के दौरान आयोजित भारत ट्राइब्स बिजनेस कॉन्क्लेव और सीएसआर कॉन्क्लेव ने भी साझेदारी और निवेश के नए अवसरों को जन्म दिया।कॉर्पोरेट जगत और जनजातीय उद्यमों के बीच संवाद ने यह स्पष्ट किया कि यदि सही दिशा और सहयोग मिले,तो जनजातीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है।यहाँ प्रस्तुत होने वाले लोक नृत्य,संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जीवन शैली भारत की उस आत्मा को सामने लाते हैं, जो प्रकृति के साथ संतुलन में जीने की कला सिखाती है।सरकार द्वारा संचालित वन धन योजना के माध्यम से देशभर में स्थापित वन धन विकास केंद्रों ने जनजातीय समुदायों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाया है। ये केंद्र स्थानीय संसाधनों के प्रसंस्करण और विपणन में सहायता करते हैं, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि होती है।महोत्सव में इन केंद्रों की सक्रिय भागीदारी इस योजना की सफलता का प्रमाण है।केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि सरकार पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने कहा कि "जनजातीय समाज की जीवन शैली में वह ज्ञान निहित है,जो पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।हमें इस ज्ञान को संरक्षित करते हुए उसे आधुनिक संदर्भों में उपयोग करना होगा।"इस महोत्सव में आए आगंतुकों के लिए यह एक अनूठा अनुभव रहा। जहां एक ओर वे देश के विभिन्न हिस्सों से आए उत्पादों को देख और खरीद सके, वहीं दूसरी ओर उन्हें जनजातीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर मिला।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक,सभी वर्गों के लोगों ने इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस विस्तारित अवधि ने विशेष रूप से उन कारीगरों को लाभ पहुंचाया है,जो दूरदराज के क्षेत्रों से यहां पहुंचे हैं।उनके लिए यह केवल एक व्यापारिक अवसर नहीं,बल्कि अपने अस्तित्व और पहचान को स्थापित करने का मंच है।कई कारीगरों ने यह साझा किया कि इस महोत्सव ने उन्हें न केवल आर्थिक लाभ दिया है,बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।

भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 का यह विस्तार एक व्यापक संदेश देता है—विकास तभी सार्थक है,जब वह समावेशी हो।जब समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अवसर पहुंचे, तभी वास्तविक प्रगति संभव है। जनजातीय समुदाय,जो सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीते आए हैं,आज आधुनिक भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ट्राइब्स फेस्ट 2026 केवल एक महोत्सव नहीं, बल्कि एक आंदोलन है - आत्मनिर्भर भारत की दिशा में, सांस्कृतिक गौरव के पुनर्स्थापन की दिशा में और जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में।इसका विस्तार इस बात का प्रमाण है कि देश अब अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए, उन्हें आधुनिकता के साथ जोड़कर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।आयोजकों द्वारा इस अवशर आगंतुकों से आह्वान किया गया है कि वे इस विस्तारित अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और इस महोत्सव में आकर न केवल खरीदारी करें,बल्कि उस भारत को महसूस करें,जो अपनी विविधता में एकता का सजीव उदाहरण है - एक ऐसा भारत,जहाँ परंपरा और प्रगति साथ-साथ चलती हैं।

कम उपभोग, ज्यादा संरक्षण: यही है शून्य अपशिष्ट का मंत्र

लेखक - सुनील कुमार महला

यह एक चिंताजनक तथ्य है कि हम हर वर्ष अरबों टन कचरा उत्पन्न करते हैं, लेकिन उसका बहुत कम हिस्सा ही पुनर्चक्रित कर पाते हैं। वास्तव में 'शून्य अपशिष्ट'(जीरो वेस्ट) का अर्थ है ऐसी जीवनशैली अपनाना, जिसमें कचरा लगभग समाप्त हो जाए। इसका सीधा सा आशय यह है कि हम संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, उन्हें संरक्षित रखें और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाएं।

हर वर्ष 30 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य केवल धरती या अंतरिक्ष से कचरा कम करना ही नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पर्यावरण व हमारी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना और मानव जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस कचरा प्रबंधन(वेस्ट मैनेजमेंट) करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए एक ऐसा वैश्विक आह्वान है, जो हमें टिकाऊ(सस्टेनेबल) और संतुलित जीवन(बैलेंस्ड लाइफ) की ओर प्रेरित करता है। इसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य पूरी दुनिया को 'प्लास्टिक-मुक्त अर्थव्यवस्था' की दिशा में ले जाना भी है, जहाँ पैकेजिंग के लिए मशरूम या समुद्री शैवाल जैसे व अन्य किन्हीं प्राकृतिक व बेहतरीन विकल्पों का उपयोग किया जा सके।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया की जनसंख्या बहुत ही तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ ही धरती पर व अंतरिक्ष तक में भी कचरे की मात्रा भी निरंतर बढ़ती जा रही है।सीधे शब्दों में कहें तो यह दिवस हमें कचरे को कम करने, पुनः उपयोग (री-यूज) और पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है।सच तो यह है कि यह 'रिड्यूस, री-यूज और रीसायकल' की अवधारणा को बढ़ावा देता है। वर्तमान समय में प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पृथ्वी के पर्यावरण और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम खाद्य अपशिष्ट को कम करें और धरती के सभी प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें।

यह एक चिंताजनक तथ्य है कि हम हर वर्ष अरबों टन कचरा उत्पन्न करते हैं, लेकिन उसका बहुत कम हिस्सा ही पुनर्चक्रित कर पाते हैं। वास्तव में 'शून्य अपशिष्ट'(जीरो वेस्ट) का अर्थ है ऐसी जीवनशैली अपनाना, जिसमें कचरा लगभग समाप्त हो जाए। इसका सीधा सा आशय यह है कि हम संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, उन्हें संरक्षित रखें और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाएं। कहना ग़लत नहीं होगा कि कचरे और जलवायु परिवर्तन के बीच गहरा संबंध है। कचरे की बढ़ती मात्रा ग्लोबल वार्मिंग को भी बढ़ाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार शहरी ठोस कचरा वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 3-5% हिस्सा है। जब जैविक कचरा, जैसे भोजन, लैंडफिल में सड़ता है, तो वह मीथेन गैस उत्पन्न करता है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से गर्मी को अवशोषित करती है। वास्तव में, यह दिवस उन लाखों अनौपचारिक श्रमिकों के योगदान को भी मान्यता देता है, जो कचरा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि आज दुनिया भर में लगभग 2 करोड़ लोग इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। साथ ही, यह दिवस उन कंपनियों की नीतियों पर भी प्रश्न उठाता है, जो जानबूझकर ऐसे उत्पाद बनाती हैं जो जल्दी खराब हो जाते हैं, ताकि उपभोक्ता बार-बार नए उत्पाद खरीदें। इसके समाधान के रूप में 'राइट टू रिपेयर' यानी मरम्मत का अधिकार एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है, जो वस्तुओं के जीवनकाल को बढ़ाने पर जोर देता है।शून्य अपशिष्ट का एक अहम पहलू 'कंपोस्टिंग' भी है। हमारे कुल कचरे का लगभग 50% हिस्सा जैविक होता है, जिसे खाद में परिवर्तित किया जा सकता है। इससे न केवल मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता घटती है। कचरा प्रबंधन में घरों, उद्योगों, सरकारों और आम नागरिकों हम सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण व अहम् है। उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। इसका प्रस्ताव तुर्की ने रखा था और इसे अनेक देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। यह पहल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियां कार्यक्रम (यूएन-हेबीटेट) के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार यह दिवस 30 मार्च 2023 को मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य 'लीनियर इकोनॉमी' (बनाओ-इस्तेमाल करो-फेंक दो) की जगह 'सर्कुलर इकोनॉमी' को बढ़ावा देना है।हर वर्ष इस दिवस की एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2023 की थीम थी-'टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाना', 2024 की थीम-'शून्य अपशिष्ट के क्षेत्र में युवा सबसे आगे', और 2025 की थीम-'फैशन और टेक्सटाइल्स में शून्य अपशिष्ट की ओर' रखी गई थी। वर्ष 2025 की थीम का उद्देश्य कपड़ा उद्योग में उत्पन्न होने वाले कचरे को कम करना था, क्योंकि 'फास्ट फैशन' के कारण हर वर्ष करोड़ों टन कपड़े बेकार हो जाते हैं। इसके समाधान के रूप में 'स्लो फैशन' और टिकाऊ फैशन को बढ़ावा दिया गया। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम 'खाद्य अपशिष्ट' रखी गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य भोजन की बर्बादी को रोकना है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष दुनिया में लगभग 1 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है। यह न केवल भूख की समस्या को बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। अनुमान है कि विश्व में उत्पादित कुल भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा व्यर्थ चला जाता है। यदि 'फूड वेस्ट' एक देश होता, तो यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक होता। वर्ष 2026 की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, यदि भोजन की बर्बादी को रोक दिया जाए, तो दुनिया के हर भूखे व्यक्ति का पेट चार बार भरा जा सकता है। इस वर्ष का संदेश स्पष्ट है- हमें जितनी आवश्यकता हो, उतना ही भोजन लें, शेष भोजन का पुनः उपयोग करें या दान करें, और जूठन न छोड़ें। साथ ही, खाद्य पदार्थों का उचित भंडारण भी आवश्यक है। 'जीरो वेस्ट' की अवधारणा 5R सिद्धांत पर आधारित है—रिफ्यूज (मना करना), रिड्यूस (कम करना), री-यूज़ (पुनः उपयोग), रीसायकल (पुनर्चक्रण) और रोट (खाद बनाना)।पाठकों को बताता चलूं कि कचरा कम करने का सीधा संबंध जल संरक्षण से भी है। उदाहरण के लिए, यदि हम एक कॉटन टी-शर्ट को फेंकने के बजाय पुनः उपयोग करें, तो लगभग 2700 लीटर पानी बचाया जा सकता है, जो एक व्यक्ति की लगभग ढाई वर्ष की पीने की आवश्यकता के बराबर है। आज दुनिया के कुछ शहर, जैसे सैन फ्रांसिस्को और सियोल, 'जीरो वेस्ट' शहर बनने की दिशा में अग्रणी हैं और उन्होंने लैंडफिल में जाने वाले कचरे को लगभग 80% तक कम कर दिया है। शून्य अपशिष्ट का अर्थ कंजूसी नहीं, बल्कि रचनात्मकता है। यह हमें सिखाता है कि हम वस्तुओं के मालिक नहीं, बल्कि उनके उपयोगकर्ता हैं।

बहरहाल, यहां यह उल्लेखनीय है कि लैंडफिल से निकलने वाला 'लीचेट' नामक जहरीला तरल भूजल को प्रदूषित कर सकता है।

एकता कपूर बनाएगी आतंकी हमलों पर आधारित द टेरर रिपोर्ट

बॉलीवुड फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की सफलता के बाद निर्माता एकता कपूर एक नई और बड़े स्तर की राजनीतिक थ्रिलर लेकर आ रही हैं। एकता कपूर ने द टेरर रिपोर्ट नामक फिल्म बनाने का ऐलान किया है, जो वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी और भारत के खिलाफ हुए आतंकी हमलों के साथ-साथ उनके जवाब में किए गए सख्त कदमों को पर्दे पर पेश करेगी। बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने मिलकर यह फिल्म बनाने का ऐलान किया है। इस फिल्म का निर्देशन विष्णु वर्धन करेंगे, जिन्होंने शेरशाह जैसी चर्चित फिल्म के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई थी। 'द टेरर रिपोर्ट को 'द साबरमती रिपोर्ट की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें सीमा पार आतंकवाद और उससे निपटने के लिए भारत की रणनीति को विस्तार से दिखाया जाएगा। मेकर्स के अनुसार, फिल्म में जांच एजेंसियों की पेचीदगियों, खुफिया अभियानों और हालिया सुरक्षा घटनाओं को गहराई से दर्शाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में बालाजी टेलीफिल्म्स की रचनात्मक दृष्टि और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट की प्रोडक्शन क्षमता का संगम देखने को मिलेगा। फिल्म के निर्माताओं में एकता कपूर के साथ शोभा कपूर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर शामिल हैं। फिल्ममेकर्स का मानना है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दर्शकों को देश की सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में जागरूक भी करेगा। 'शेरशाह जैसी फिल्म से अपनी निर्देशन क्षमता साबित कर चुके विष्णु वर्धन अब इस नई फिल्म के जरिए एक और सशक्त और वास्तविक कहानी बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी में हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन जल्द ही इससे जुड़ी घोषणाएं होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि द साबरमती रिपोर्ट, जिसमें विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा मुख्य भूमिकाओं में थे, साल 2024 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म काफी चर्चा और विवादों में रही, जिसके बाद कई राज्यों में इसे टैक्स-फ्री घोषित किया गया।

बॉलीवुड में महिलाओं को अधिक अवसर देना चाहिए : कंगना रनौत

भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत, हेमा मालिनी, विकी कौशल, सान्या मल्होत्रा, सिद्धार्थ चतुर्वेदी, अनुपम खेर और लॉरेन गोटलिब समेत कई सितारे नजर आए। इस अवसर पर कंगना रनौत ने सिनेमा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं को पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तो उनके दृष्टिकोण को समझना मुश्किल होगा। कंगना ने यह भी कहा कि जिस तरह देश के प्रधानमंत्री राजनीति में महिलाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं, उसी तरह फिल्म इंडस्ट्री को भी महिलाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। उनके मुताबिक, फिल्म फेस्टिवल, स्टूडियो सपोर्ट और महिलाओं के संघर्षों को सामने लाने जैसे प्रयास इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दौरान अभिनेता अरविंद स्वामी ने फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एआई का दायरा तेजी से बढ़ रहा है और भविष्य में फिल्म निर्माण की प्रक्रिया पूरी तरह बदल सकती है। उनका मानना है कि आने वाले समय में एक व्यक्ति भी अकेले पूरी फिल्म बना सकेगा, क्योंकि तकनीक लगातार उन्नत हो रही है। महोत्सव के दौरान हिंदी सिनेमा के दिग्गज धर्मेंद्र को विशेष श्रद्धांजलि दी जाएगी और उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसकी जानकारी हेमा मालिनी ने साझा की। इसके अलावा अनुभवी अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। इस महोत्सव में विभिन्न देशों की फिल्मों के प्रदर्शन के साथ-साथ सिनेमा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा भी की जाएगी। कुल मिलाकर, यह अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव न केवल मनोरंजन का मंच है, बल्कि सिनेमा के बदलते स्वरूप, नई तकनीकों और सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श का एक महत्वपूर्ण अवसर भी बन गया है। मालूम हो कि यह अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आगामी 30 मार्च तक चलेगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में देश-विदेश की फिल्मी हस्तियां शिरकत कर रही हैं।

दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को देना चाहिए : सिद्धांत चतुर्वेदी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी का मानना है कि दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को दी जानी चाहिए और वही उनकी असली पहचान है। अभिनेता ने साफ कहा कि उन्हें फैशन को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। उनके अनुसार, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम एक अभिनेता बनने के लिए रखा था और अब जब उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है, तो वही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि उनका पूरा ध्यान अपने अभिनय कौशल को बेहतर बनाने पर रहता है, न कि बाहरी दिखावे पर। सिद्धांत ने फैशन को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए कहा कि वह इसे अलग से करने वाली चीज नहीं मानते। फिल्मों में जो किरदार निभाते हैं, उसी के मुताबिक उन्हें कपड़े पहनने का मौका मिलता है और वही उनका स्टाइल बन जाता है। उनका मानना है कि फैशन को लेकर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है और न ही 'परफेक्ट दिखने के दबाव को खुद पर हावी होने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली स्टाइल कपड़ों से नहीं, बल्कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी से झलकता है। उनके मुताबिक, जो व्यक्ति सहज और आत्मविश्वासी होता है, वही सबसे ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। सिद्धांत का मानना है कि जब इंसान खुद जैसा रहता है, तो उसका आत्मविश्वास ही उसका सबसे बड़ा 'स्वैग बन जाता है। फैशन के ट्रेंड्स को लेकर उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा इसके बारे में सोचने लगता है, तो वह दूसरों की नकल करने लगता है। इससे उसकी अपनी पहचान खो सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फैशन में सबसे जरूरी है खुद को नेचुरल तरीके से पेश करना और अपनी असलियत को बनाए रखना, न कि किसी ट्रेंड के पीछे भागना। सिद्धांत चतुर्वेदी की यह सोच आज के दौर में खास मायने रखती है, जहां सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण लोग अक्सर अपनी असली पहचान से दूर होते जा रहे हैं। उनका यह नजरिया न केवल नए कलाकारों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सफलता के लिए सबसे जरूरी है अपने हुनर और आत्मविश्वास पर भरोसा रखना। मालूम हो कि आज के डिजिटल दौर में जहां सोशल मीडिया ने हर किसी की जिंदगी को प्रभावित किया है, वहीं फिल्मी सितारों पर 'परफेक्ट दिखने का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

रात को सोने से पहले देश के लिए प्रार्थना जरूर करें : अक्षय कुमार

दुनिया भर में जिस तरह से उथल-पुथल मची हुई है, ऐसे माहौल में आम लोगों के साथ-साथ फिल्मी सितारे भी अपनी चिंताओं और भावनाओं को खुलकर साझा कर रहे हैं। हाल ही में अभिनेता अक्षय कुमार ने भी दुनिया के मौजूदा हालात पर अपनी बात रखते हुए लोगों से एक खास अपील की है। अक्षय कुमार ने यह बात क्विज रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया के दौरान कही, जहां श्वेता जुमानी भी मेहमान के तौर पर मौजूद थीं। बातचीत के दौरान जब दुनिया में चल रहे तनाव और युद्धों का जिक्र हुआ, तो अक्षय ने कहा कि वर्तमान समय में कई देशों में संघर्ष और अनिश्चितता का माहौल है, जिसका असर हर इंसान पर पड़ता है, चाहे वह कहीं भी रहता हो। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि रात को सोने से पहले अपने परिवार और देश के लिए प्रार्थना जरूर करें। उनके मुताबिक, यह छोटा सा कदम इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे समय में एक-दूसरे के लिए दुआ करना बेहद जरूरी है, ताकि दुनिया में शांति बनी रहे और लोगों के बीच आपसी विश्वास कायम रहे। शो के दौरान श्वेता जुमानी ने भी अपनी राय रखते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारत पर एक मजबूत आध्यात्मिक शक्ति का आशीर्वाद है, जो देश की रक्षा करती है। इस पर बातचीत करते हुए दोनों ने सकारात्मक सोच और आस्था के महत्व को रेखांकित किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भूत बंगला को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गब्बी जैसे कलाकार नजर आएंगे।

केजेएस ढिल्लन की किताब 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बनेगी फिल्म

बॉलीवुड के राष्ट्रवादी फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और निर्माता भूषण कुमार मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर नाम की फिल्म बना रहे हैं। यह फिल्म पूर्व आर्मी चीफ केजेएस ढिल्लन की किताब ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान से प्रेरित है, जिसमें भारत की सीमाओं के भीतर और बाहर हुई महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाइयों का विवरण दिया गया है। यह फिल्म आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े वास्तविक घटनाक्रमों पर आधारित होगी।

विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि यह कहानी सिर्फ एक फिल्मी प्रस्तुति नहीं, बल्कि उन सच्चाइयों को सामने लाने का प्रयास है, जिन्हें आमतौर पर व्यापक रूप से नहीं जाना जाता। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उपमहाद्वीप की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाओं पर आधारित है और इसमें उन पहलुओं को दिखाया जाएगा, जिन्होंने भारत की रणनीतिक सोच को नई दिशा दी। निर्देशक के अनुसार, फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थितियों और उसके जवाब में की गई कार्रवाइयों पर केंद्रित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के विभिन्न विभागों के साथ गहन शोध किया गया है, ताकि घटनाओं को यथासंभव तथ्यात्मक और प्रामाणिक तरीके से दर्शाया जा सके।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म का उद्देश्य सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि सिनेमा के माध्यम से वास्तविक घटनाओं को स्पष्टता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना है। इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले किया जाएगा। हालांकि, फिल्म की कास्ट, शूटिंग शेड्यूल और रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों और फिल्म उद्योग में उत्सुकता बढ़ती जा रही है, खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय को छूती है। विवेक अग्निहोत्री इससे पहले भी कई गंभीर और सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर आधारित फिल्में बना चुके हैं। उनकी चर्चित फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था और देशभर में व्यापक चर्चा का विषय बनी थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्म द बेंगाल फाइल्स भी सुर्खियों में है, जिसमें पश्चिम बंगाल से जुड़े मुद्दों को दिखाया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर के जरिए अग्निहोत्री एक बार फिर वास्तविक घटनाओं को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मोंटेकार्लो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे जोकोविच

मियामी। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा है कि फिट नहीं होने के कारण वह अगले माह होने वाले मोंटेकार्लो मास्टर्स से बाहर रहेंगे। जोकोविच इंडियन वेल्स में हार के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इससे माना जा रहा है कि अब वह फ्रेंच ओपन से ही वापसी करेंगे। जोकोविच दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भी नहीं खेल रहे हैं। वहीं आयोजकों और प्रशंसकों ने उम्मीद जतायी कि वह शीघ्र ही वापसी करेंगे। जोकोविच बीएनपी पारिबास ओपन में अंतिम बार जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हार गये थे। उसके बाद से ही उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। वहीं मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में ही बाहर हो गये थे। मोंटे कार्लो मास्टर्स टूर्नामेंट अगले माह 4 अप्रैल से शुरु 12 अप्रैल तक खेला जाएगा। ये साल 2011 के बाद यह पहली बार होगा जब जोकोविच इससा हिस्सा नहीं होंगे। 38 वर्षीय जोकोविच पिछले कुछ महीनों से कंधे की चोट से जूझ रहे हैं। मोंटे-कार्लो मास्टर्स का प्रायोजन दिग्गज कारोबारी रोलेक्स समूह करता है। ये पुरुष पेशेवर टेनिस खिलाडिओं के लिए एक टेनिस टूर्नामेंट है जो आउटडोर क्ले कोर्ट पर खेला जाएगा।

आईपीएल के पहले ही मैच में क्लासेन को आउट दिये जाने पर वॉन ने उठाये सवाल

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत के साथ ही विवाद भी शुरु हो गये हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए पहले ही मैच में हेनरिक क्लासेन के एक कैच को लेकर ये विवाद उठा है। क्लासेन के कैच को बाउंड्री पर फिल सॉल्ट ने पकड़ लिया पर वह इसी दौरान सीमा रेखा के काफी करीब पहुंच गये इससे अंपायर ने क्लासेन को आउट दे लिया और उसी पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सवाल उठाये हैं। वॉन ने सोशल मीडिया में लिख, 'मुझे ऐसा लगा जैसे सॉल्ट के पैर ने सीमा रेखा को छुआ हो। ऐसे में क्लासेन कों संदेह का लाभ मिलना था पर नहीं दिया गया। इससे आरसीबी को लाभ हुआ। अंपायर कैये यह कैसे बता सकते हैं पैर का कोई हिस्सा सीमा रेखा पर नहीं लगा।Óवॉन ने कहा कि सॉल्ट ने शानदार कैच पकड़ा, मगर कैच पकडÓ के दौरान वह बाउंड्री के काफी नजदीक थे।अंपायर ने फैसला तीसरे अंपायर पर छोड़ दिया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि सॉल्ट बाउंड्री लाइन के काफी करीब थे पर यह कहना कठिन था कि उन्होंने सीमा रेखा को नहीं छुआ है पर तीसरे अंपायर ने कहा 'मुझे सीमा रेखा में कोई हलचल नहीं दिख रही है।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाडिओं के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाडिओं के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 'यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते। 'द हंड्रेड में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं। ' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी ● एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी। सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं। सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद , अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी। वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

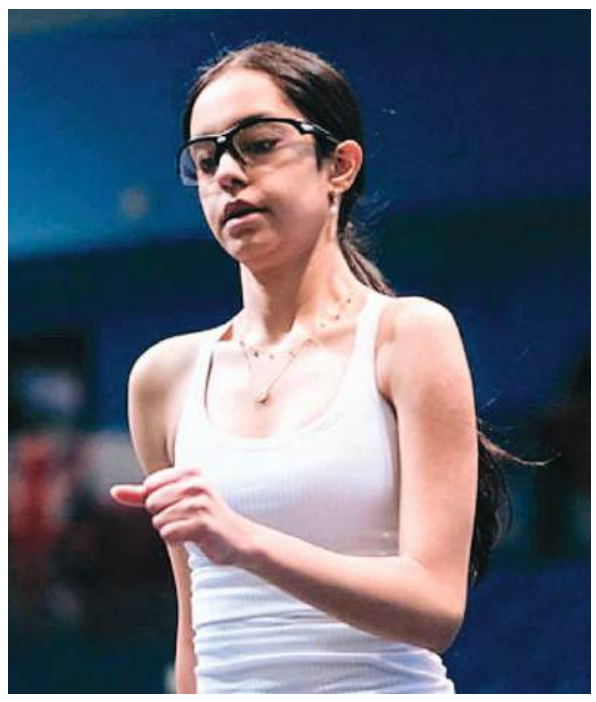

मुंबई ● एजेंसी

भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाडिय़ों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिल्स इस बार खिताबी जीत के इरादे से उतरेगी

मुम्बई। अक्षर पटेल की कप्तानी में इस बार दिल्ली कैपिल्स का लक्ष्य आईपीएल खिताब जीतना रहेगा। दिल्ली अपने अभियान की शुरुआत बुधवार पहली अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंटस के खिलाफ मैच से करेगी। कैपिटल्स की टीम ने पिछले सत्र की शुरुआत अच्छी की थी पर बाद में वह अपनी लय खोने के कारण बाहर हो गयी थी। ऐमें में अगर कैपिटल्स को इस बार जीत दर्ज करनी है तो उसे अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानना होगा। बेन डकेट के नाम वापस लेने ने उसे झटक लगा है। अब उसकी बल्लेबाजी शीर्ष क्रम में केएल राहुल और पथुम निसांका

के अलावा पृथ्वी शॉ पर आधारित रहेगी। वहीं मध्यक्रम में टीम के पास ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और डेविड मिलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के फिट नहीं होने से टीम की गेंदबाजी की जिम्मेदारी लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव और आकिब नबी पर रहेगी। कप्तान अक्षर पर बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में में भी टीम की ओर से अधिक से अधिक योगदान देने की जिम्मेदारी रहेगी। टीम 2008 से ही लीग का हिस्सा है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने कई कप्तान भी बदले हैं।

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी : अश्विन

बेंगलुरु ● एजेंसी

बेंगलुरु। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है। अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है। अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहंगे।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु ● एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हें। उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की

अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है। उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

बॉटम — गाल की हड्डी टूटी

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए

लंदन ● एजेंसी

इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी। अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।

गौरतलब है कि स्टोक्स ने जनवरी 2025 में एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट में ग्रोइन इंजरी के बाद से कोई प्रतिस्पर्धात्मक मैच नहीं खेला है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड की टीम को 4-1 से हराया था। अब गाल की हड्डी की चोट टूटने से अब वह मई में डरहम के लिए अंत में केवल दो मैच ही शायद खेल पायें।

न्यूज ब्रीफ

नितिन नवीन के इस्तीफे का कार्यक्रम टला, असम रवाना हुए भाजपा अध्यक्ष

पटना। बिहार की राजनीति में आज उस समय अचानक नाटकीय बदलाव आया जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधायक पद से इस्तीफे का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम टल गया। जानकारी के अनुसार, नितिन नवीन को एक आपातकालीन स्थिति के कारण अचानक असम के डिब्रूगढ़ के लिए रवाना होना पड़ा। इससे पहले यह संभावना जताई जा रही थी कि वे आज सुबह 9 से 10 बजे के बीच बिहार विधानसभा की सदस्यता से अपना आधिकारिक त्यागपत्र सौंप देंगे। इस घटनाक्रम के बीच, बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को भी दिल्ली बुलाया गया है। प्रेम कुमार शनिवार रात ही दिल्ली से पटना लौटे थे, लेकिन अब वे पुन: राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रस्थान करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष द्वारा इस्तीफे की सूचना दी गई थी, जिसके कारण वे पटना आए थे, लेकिन भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के असम चले जाने के कारण अब नई तिथि निर्धारित की जाएगी। नितिन नवीन वर्तमान में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और लगातार पांच बार वहां से विधायक रहे हैं।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी

नई दिल्ली। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरु किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है।

पश्चिम एशिया के हालातों पर रक्षा मंत्री ने की उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पश्चिम एशिया में तेजी से बदलती परिस्थितियों की समीक्षा करने और भारत पर पड ` वाले इसके संभावित प्रभावों से निपटने के लिए गठित अनौपचारिक मंत्रिस्तरीय समूह (आईजीओएम) की पहली औपचारिक चर्चा थी। इस उच्च स्तरीय बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, और नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू सहित कई कैबिनेट मंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य उभरती वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए एक सक्रिय रोडमैप तैयार करना था। बैठक के दौरान सचिवों के सात अधिकार प्राप्त समूहों ने विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। इसमें तेल आपूर्ति, व्यापार मार्ग और अंतरराष्ट्रीय रसद (लॉजिस्टिक्स) पर पड ` वाले प्रभावों का विश्लेषण किया गया। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि बदलते परिदृश्य में भारत को केवल प्रतिक्रियात्मक होने के बजाय दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मध्यम से दीर्घकालिक तैयारी रखें और किसी भी स्थिति में त्वरित निर्णय लेने के लिए उच्च-स्तरीय समन्वय बनाए रखें।

हॉर्मुज स्ट्रेट से निकले एलपीजी लदे दो भारतीय जहाज, अगले दो-तीन दिन में भारत पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली ● एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत के लिए एक राहत की खबर आई है। भारत आने वाले दो एलपीजी टैंकर्स ने जंग के कारण ठप पड़े हॉर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। ये दोनों जहाज अब हॉर्मुज स्ट्रेट को पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। अगले दो से तीन दिन में इन दोनों जहाजों के भारत पहुंच जाने की उम्मीद जताई गई है। आपको बता दें कि अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से ठप हो गया है, जिसकी वजह से मालवाहक जहाजों और ऑयल टैंकर्स की आवाजाही भी रुक गई है। आवाजाही रुकने के कारण कच्चे तेल और गैस की अपनी जरूरत पूरी करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करने वाले भारत जैसे देश के सामने काफी संकट की स्थिति बन गई है। ऐसे में भारत आने वाले दो एलपीजी टैंकर के हॉर्मुज स्ट्रेट को पार कर जाने की खबर ने काफी राहत पहुंचाई है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के दो एलपीजी टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से निकल कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इन दोनों टैंकरों में कुल मिला कर करीब 94,000 टन गैस भरी हुई है। इनमें से बीडब्ल्यू टीवाईआर मुंबई पहुंचने वाला है, जहां इसके मंगलवार यानी 31 मार्च तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बीडब्ल्यू ईएलएम न्यू मैंगलोर की ओर जा रहा है। ये एलपीजी गैस टैंकर एक अप्रैल तक पहुंच सकता है। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल द्वारा शुरू की गई जंग के कारण शिपिंग सेक्टर पर काफी असर पड़ा है। इस जंग के बावजूद ईरान के मौजूदा प्रशासन ने ईरानी अधिकारियों के साथ तालमेल बना कर चलने की स्थिति में भारत जैसे गैर-दुश्मन देशों के जहाजों को हॉर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से गुजरने की अनुमति दी है। चार टैंकर पहले ही इस रास्ते को पार कर चुके हैं, जबकि तीन और टैंकर अभी हॉर्मुज स्ट्रेट के पश्चिमी हिस्से में मौजूद हैं। इन चार टैंकर में से पाइन गैस और जग वसंत, जिनमें करीब 92,612 टन एलपीजी थी, 26 मार्च से लेकर 28 मार्च के बीच भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच गए थे। इससे पहले एमटी शिवालिक 16 मार्च को मुंद्रा बंदरगाह पर और एमटी नंदा देवी 17 मार्च को कांडला बंदरगाह, गुजरात में पहुंच गए थे। इन दोनों टैंकर में लगभग 92,712 टन गैस थी। होर्मुज स्ट्रेट के लगभग बंद होने की स्थिति में आने के बाद भारत अब अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से भी एलपीजी मंगवा रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार भारत के झंडे वाले कुल 18 जहाज, जिनमें 485 भारतीय नाविक सवार हैं, पश्चिमी फारसी खाड़ी क्षेत्र में मौजूद हैं। जब पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हुआ था, उस समय होर्मुज स्ट्रेट में भारत के 28 जहाज मौजूद थे। इनमें से 24 जहाज पश्चिमी हिस्से में और चार जहाज पूर्वी हिस्से में थे। पिछले कुछ दिनों में हालात थोड़े बेहतर हुए हैं। पश्चिमी हिस्से से छह और पूर्वी हिस्से से दो जहाज सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे हैं। इन छह एलपीजी टैंकरों के अलावा भारत का एक और तेल टैंकर जग लाडकी, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात से 80,886 टन कच्चा तेल भरा था, 18 मार्च को ही मुंद्रा बंदरगाह पहुंच गया था।

भारत को होर्मुज की जरूरत नहीं! अर्जेंटिना के बाद एक और दोस्त भर-भर कर भेजेगा एलपीजी

नई दिल्ली ● एजेंसी

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच छिड़ा संघर्ष अब एक लंबे युद्ध का रूप लेता जा रहा है। शुरुआत में इस जंग के जल्द खत्म होने के जो दावे किए गए थे, वे पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। ईरान के कड़े पलटवार ने न केवल सैन्य समीकरण बदले हैं, बल्कि पूरी दुनिया को एक गंभीर ऊर्जा संकट की दहलीज पर खड़ा कर दिया है। विशेष रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण एनर्जी कॉरिडोर होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के बाधित होने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चरमरा गई है। भारत के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात इसी समुद्री मार्ग से होता है। इस संकटपूर्ण स्थिति में भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। नई दिल्ली ने अपने दशकों पुराने और भरोसेमंद मित्र रूस के साथ एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए बातचीत तेज कर दी है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत और रूस ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती देने के लिए आपसी सहयोग विस्तार पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के बीच हुई उच्च स्तरीय चर्चा में रूस ने भारत की बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस और रसोई गैस की आपूर्ति बढ़ाने की तत्परता जताई है। जानकारों का मानना है कि रूस एक प्रमुख और स्थिर आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जिससे भविष्य में होर्मुज मार्ग के लंबे समय तक बाधित रहने पर भी भारतीय घरों के चूल्हे जलते रहेंगे। रूस के साथ-साथ, भारत ने भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना के साथ भी एक महत्वपूर्ण साझेदारी विकसित की है। लगभग 20,000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अर्जेंटीना इस संकट के समय में भारत के लिए एक बड़े विकल्प के रूप में सामने आया है। आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 की पहली तिमाही में ही अर्जेंटीना ने भारत को 50,000 टन एलपीजी का निर्यात किया है, जो साल 2025 के कुल निर्यात (22,000 टन) से दोगुने से भी अधिक है। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत ने भी स्पष्ट किया है कि उनका देश भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के लिए प्रेरित किया है। भारत की यह व्यावहारिक नीति न केवल मौजूदा संकट का समाधान कर रही है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत रणनीतिक सुरक्षा कवच भी तैयार कर रही है। रूस और अर्जेंटीना जैसे देशों के साथ बढ़ते ये संबंध यह सुनिश्चित करते हैं कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत की विकास गति और घरेलू जरूरतें प्रभावित नहीं होंगी।

कांग्रेस ने अपनी नीतियों से राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया : अमित शाह

शोणितपुर (असम)। असम के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शोणितपुर में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से अपनी नीतियों के जरिए राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया है और अब केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे सुधारात्मक कदमों का विरोध कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने 'अवैध प्रवासी (ट्रिब्यूनल द्वारा निर्धारण) अधिनियम (आईएमडीटी) इसलिए बनाया था ताकि असम में घुसपैठियों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें हटाने के केंद्र सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के लिए हमेशा से ही एक प्राथमिकता रहा है। पूरे देश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का ज़िक्र करते हुए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर इस प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली ● एजेंसी

उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे। लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क

मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है।

जब तक भाजपा की सरकार है, तब तक संविधान खतरे में : अखिलेश यादव

नोएडा ● एजेंसी

समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में आयोजित 'भाईचारा रैली को संबोधित करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है, तब तक देश का संविधान खतरे में रहेगा। अखिलेश यादव ने भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया है, जो किसी भी हथियार से ज्यादा ताकतवर है, लेकिन भाजपा को इस संविधान पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में '5 प्रतिशत लोग 95 प्रतिशत जनता का शोषण कर रहे हैं और उनकी लड़ाई इसी असमानता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि समाज में भेदभाव और उत्पीडऩ झेलने वाले लोगों का दर्द वही समझ सकता है, जिसने इसे महसूस किया हो। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सत्ता से हटने के बाद उनके घर को गंगाजल से धुलवाने और मंदिर जाने के बाद मंदिर धुलवाने जैसी घटनाओं ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया। सपा प्रमुख ने 'पीडीए समाज (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब सामाजिक न्याय का समय है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी को मिटाने का नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि समाज में दो तरह के लोग होते हैं—एक शोषण करने वाले और दूसरे शोषित। उनका लक्ष्य शोषित वर्ग को उनका अधिकार और सम्मान दिलाना है। अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की रैलियों में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जाता है। उन्होंने हाल ही में जेवर में हुई रैली का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि छात्रों और सरकारी कर्मचारियों को वहां जबरन बुलाया गया। उन्होंने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास में समाजवादी सरकार का बड़ा योगदान रहा है। दिल्ली से नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोडऩे वाली मेट्रो परियोजनाएं सपा सरकार में ही शुरू हुई थीं। सपा इस रैली को 2027 विधानसभा चुनाव की औपचारिक शुरुआत मान रही है। रैली संयोजक राजकुमार भाटी के अनुसार, इस आयोजन के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 32 जिलों और करीब 140 विधानसभा सीटों को साधने की रणनीति बनाई गई है। पार्टी की नजर खासतौर पर जाट और गुर्जर समुदाय पर है, जो क्षेत्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सपा नेताओं का दावा है कि 2012 की तरह इस बार भी दादरी से शुरू हुआ अभियान पार्टी को सत्ता तक पहुंचाएगा। रैली में जाने से पूर्व उन्होंने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। रैली में विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे, सांसद इकरा हसन, हरेंद्र मलिक, धर्मेंद्र यादव, रामजीलाल सुमन, विधायक अतुल प्रधान, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, जावेद अल्वी, सपा के बरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव, डॉक्टर महेंद्र नागर सहित सपा के कई वरिष्ठ नेता ,पदाधिकारी मौजूद थे।

बॉटम — पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता ● एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे। रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए। टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है। चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एंड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नम्बर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा)